Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 348
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई मंगलवार, 23 दिसम्बर, 2025

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 खत्म हुआ राजनीतिक वनवास...

4 मुंबई महानगरपालिका : सत्ता का गणित...

7 आखिरी हिस्सा अभी बाकी है...'

संक्षिप्त न्यूज

बांग्लादेश में हिंदू की हत्या पर कोलकाता में उबाल, बांग्लादेशी उप उच्चायोग के सामने भाजपा का प्रदर्शन

कोलकाता : बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की हुई बर्बर हत्या के विरोध में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने पार्टी नेताओं एवं समर्थकों के साथ सोमवार को यहां बांग्लादेशी उप उच्चायोग के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारी ने निजाम पैलेस से बेकबागन तक रैली का नेतृत्व किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए तथा पड़ोसी देश में हुई हत्या की बर्बर घटना की निंदा की और प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के मैमनसिंह में 18 दिसंबर की रात दीपू दास की पीटकर हत्या कर दी गई। फिर शव को आग के हवाले कर दिया गया था। सुवेंदु ने कहा कि हम दास की हत्या में संलिप्त सभी लोगों के लिए कड़ी सजा चाहते हैं। हम चाहते हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हमले तुरंत बंद हों।

चीन ने भारतीयों के लिए शुरू की ऑनलाइन वीजा सुविधा

नई दिल्ली। भारतीय यात्रियों के लिए वीजा आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से चीन के दूतावास ने सोमवार से चीन ऑनलाइन वीजा आवेदन प्रणाली का आधिकारिक शुभारंभ किया। चीनी दूतावास के अनुसार आवेदक ऑनलाइन वीजा आवेदन कर सकते हैं और आवश्यक दस्तावेजों को ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं।

दीर्घकालिक एयरपोर्ट क्षमता नीति पर हो रहा विचार, आम बजट में होंगी कई बड़ी घोषनाएं

नई दिल्ली। वर्ष 2025 देश के एविएशन सेक्टर के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा है। एयर इंडिया विमान दुर्घटना और हाल ही में इंडिगो एयरलाइन के सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने की घटना ने भारतीय एविएशन सेक्टर की छवि को गहरा धक्का लगाया है। लेकिन केंद्र सरकार इन स्थिति को संभालते हुए अब एक दीर्घकालिक एयरपोर्ट विस्तार नीति पर काम कर रही है। इस नीति के केंद्र में अगले 20-22 वर्षों में हवाई यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या में आठ गुणा की संभावित वृद्धि को केंद्र में रखा जाएगा।

महायुति की सुनामी से MVA में खलबली

बीएमसी चुनाव से पहले ठाकरे बंधुओं की बढ़ी बेचैनी

मुंबई। महाराष्ट्र की नगर परिषदों व नगर पंचायतों के चुनाव में मिली महायुति को बंपर जीत से विपक्ष की महाविकास आघाड़ी में खलबली मच गई है। इन चुनावों में विपक्ष को करारी हार का सामना करना पड़ा है। यदि यही ट्रेंड सूबे की 29 महानगरपालिका चुनावों में भी कायम रहा, तो विपक्ष को चारों खाने चित होना पड़ेगा। सत्ताधारी दलों की इस जीत ने खासतौर पर उद्धव और राज ठाकरे की टेंशन बढ़ा दी है। उन्हें लग रहा है कि बीएमसी चुनाव जीतने के लिए उन्हें अपनी रणनीति पर फिर से समीक्षा करनी होगी। अब तक ठाकरे बंधु कांग्रेस को भाव नहीं दे रहे थे। लेकिन अब हालात बदल गए हैं और कांग्रेस को साथ लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

ठाकरे बंधुओं के लिए मनपा चुनाव किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं है। यह चुनाव खासकर उद्धव ठाकरे की पार्टी के अस्तित्व के लिए बड़ी चुनौती है। बीएमसी में शिवसेना (अविभाजित) की लगभग 25 साल तक सत्ता रही है। यदि बीएमसी हाथ से गई तो ठाकरे गुट के लिए यह किसी सदमे से कम नहीं होगा। मनसे प्रमुख राज ठाकरे का एक भी सांसद, विधायक या पूर्व नगरसेवक नहीं हैं। बीएमसी में साल 2017 में 7 नगरसेवक चुने गए थे, जो साथ छोड़ चुके हैं।

राज्य के मनपा चुनावों में अलग-अलग रंग दिखाई दे रहे हैं। राज्य में 288 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव में में महायुति के घटक दलों को बड़ी सफलता मिली है। महाविकास आघाड़ी के सहयोगी दलों में निराशा है। मुंबई में कांग्रेस ने महाविकास आघाड़ी से खुद को अलग कर लिया है। मराठी मुस्लिम समीकरण को तब्बजों देने के संभावित फार्मूले के बीच नगर परिषदों व नगर पंचायतों के चुनाव के नतीजों ने ठाकरे बंधुओं के खेमे में हलचल मचा दी है।

महाविकास आघाड़ी के घटक दलों में कांग्रेस का प्रदर्शन थोड़ा अच्छा रहा है। इसके बाद ठाकरे बंधुओं की पार्टी के सुर बदल गए हैं। यूबीटी सांसद संजय राउत ने यह कह कर चौंका दिया है कि कांग्रेस को फिर से महाविकास आघाड़ी में लाने की कोशिश की जाएगी। आने वाले 72 घंटे में कुछ भी हो सकता है। वे कांग्रेस को साथ लाने की कोशिश करेंगे। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के अनुसार ठाकरे बंधुओं के सीट बंटवारे पर चर्चा खत्म हो गई है। सीटों के बंटवारे पर फैसला हो गया है। जो दिक्कतें थीं, उन्हें ठाकरे भाइयों ने मिलकर दूर कर लिया है। हम अगले एक-दो दिनों में गठबंधन की घोषणा करेंगे।

संजय राउत ने कहा कि वे कांग्रेस से संपर्क करेंगे। कांग्रेस को साथ लाने की कोशिशें आखिर तक जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में उनके हाईकमान से बात की है, उन्हें मनाने का काम चल रहा है। हमारे बीच कोई कड़वाहट नहीं है।

पवार बनेंगे संकट मोचक

पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ नेता शरद पवार की एनसीपी को भी निकाय चुनावों में बड़ा झटका लगा है। पार्टी 10 के आंकड़े तक ही पहुंच पाई है। एनसीपी (एसपी) भी सकते में है। यदि भाजपा की अगुवाई वाली महायुति को रोकना है तो कांग्रेस की कमी महाविकास आघाड़ी के सभी दलों को खल रही है। देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस को साथ लाने के लिए शरद पवार क्या रूख अपनाते हैं। पवार विपक्ष का संकट मोचक बन सकते हैं। सोमवार को वाईबी चव्हाण सभागृह में मविआ की होने वाली बैठक पर सबकी निगाहें टिकी हुई

सस्ती शिक्षा-स्वास्थ्य हर व्यक्ति की जरूरतः मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि सस्ती शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा हर व्यक्ति की जरूरत है और इनका विकेंद्रीकरण होना चाहिए। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में पंडित दीनदयाल कैंसर अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर भागवत ने कहा कि कैंसर का न केवल मरीजों पर बल्कि उनके परिवारों पर भी विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने समाज से मरीजों की सेवा में सहयोग करने का आग्रह किया।

भागवत ने कहा कि हमें पैसे की नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की सेवा के लिए समय की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी बीमारियां किसी भी चीज के कारण हो सकती हैं तनाव, प्रदूषण, मिलावटी भोजन। उन्होंने आगे कहा कि कैंसर के कारण निश्चित नहीं होते। ईश्वर ने हमें शरीर दिया है और हमें इसका उपयोग मानवता की सेवा के लिए करना चाहिए। हमें समय निकालना होगा, न कि केवल पैसा। कैंसर रोगियों और उनके परिवारों को भावनात्मक शक्ति और समर्थन की आवश्यकता होती है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह के कैंसर अस्पताल जैसी सुविधाएं प्रभावी ढंग से कार्य करें।

सुप्रीम कोर्ट ने मानिकराव कोकाटे की दोषसिद्धि पर लगाई रोक, विधायकी रहेगी बरकरार

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के खेल मंत्री और एनसीपी नेता माणिकराव कोकाटे को 1995 के धोखाधड़ी मामले में बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी है, जिससे उनकी विधायकी पर कोई खतरा नहीं आएगा। इस फैसले से कोकाटे को बड़ी राहत मिली है और महाराष्ट्र की राजनीति में भी इसका असर देखने को मिल सकता है।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के खेल मंत्री और एनसीपी नेता माणिकराव कोकाटे को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीमकोर्ट ने 1995 के धोखाधड़ी मामले में सीनियर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के नेता माणिकराव कोकाटे की सजा पर रोक लगा दी है, जिससे वह विधायक के तौर पर अयोग्य नहीं होंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री और पांच बार के विधायक मानिकराव कोकाटे को धोखाधड़ी मामले में बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई दोषसिद्धि पर रोक लगा दिया है, साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इस फैसले के चलते कोकाटे की विधानसभा सदस्यता खत्म नहीं होगी। यानी मानिकराव कोकाटे विधायक बने रहेंगे, उन्हें अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी क्लियर कर दिया है कि इस राहत का मतलब यह नहीं है कि कोकाटे किसी भी 'ऑफिस ऑफ प्रॉफिट' यानी लाभ के पद पर बने रह सकते हैं। इसका मतलब यह है कि वह फिलहाल मंत्री पद या किसी अन्य सरकारी लाभ के पद पर नहीं रह पाएंगे।

क्या है पूरा मामला?

कोकाटे पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए सरकारी योजना में झूठा हलफनामा दाखिल कर फ्लैट हासिल करने का आरोप है। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय करोल और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि आय की घोषणा न करना अपने आप में किसी दस्तावेज को जाली (फर्जी) नहीं बनाता।

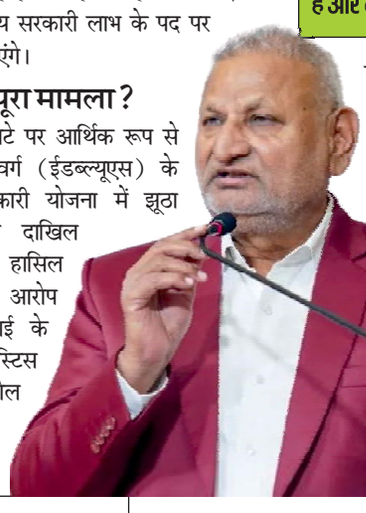

इस पर मानिकराव कोकाटे के वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट में दलील दी कि जिस कथित अपराध का आरोप है, वह 1989 का है, उस वक्त कोकाटे न तो विधायक थे और न ही किसी संवैधानिक पद पर थे, बल्कि एक वकील के तौर पर काम कर रहे थे। कोकाटे के वकील कहा कि क्या 1989 में एक वकील 30 हजार रुपये नहीं कमा सकता?

दोषसिद्धि पर रोक

मानिकराव कोकाटे के वरिष्ठ वकील मुकुल की दलील पर भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता की दोषसिद्धि पर फिलहाल इस हद तक रोक रहेगी कि उसके कारण विधानसभा की सदस्यता खत्म न हो।

ISI का ऑपरेशन बांग्लादेश

लाखों घुसपैठियों को भारत भेजने की तैयारी, खुफिया विभाग की चेतावनी- रची जा रही भयावह साजिश

नई दिल्ली। बांग्लादेश में व्यापक हिंसा के मद्देनजर बड़े पैमाने पर घुसपैठियों के भारत में घुसने की आशंका के चलते भारतीय खुफिया एजेंसियों ने सीमा पर हाई अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारियों का यह भी कहना है कि चूंकि पड़ोसी देश की सुरक्षा एजेंसियां अपने यहां की स्थिति को नियंत्रित करने में बहुत व्यस्त हैं, आइएसआइ समर्थक संगठन भारत में बड़े पैमाने पर घुसपैठ की साजिश रच रहे हैं। व्यवस्था ध्वस्त करने की स्पष्ट मंशा के साथ ये संगठन लाखों लोगों को भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने की फिराक में हैं।

खुफिया एजेंसियों का कहना है कि बंगाल में आगामी चुनाव के नजदीक होने से घुसपैठ कराने की पुरजोर कोशिश होगी। यह सावधान रहने का समय है। बंगाल में चुनाव के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने हिंसा की भी आशंका जताई है। आइएसआइ इस परिश्य का फायदा उठाएगी और फिर उस समय बड़ी संख्या में घुसपैठियों को भारत में धकेलने की कोशिश करेगी। बांग्लादेश में अशांति के चलते भारत में घुसपैठ का खतरा अधिकारियों का कहना है कि यह एक बहुत ही भयावह साजिश है जो बांग्लादेश में रची जा रही है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को इस स्थिति को बहुत सावधानी से संभालना होगा। बड़ी संख्या में घुसपैठ कराकर व्यवस्था को पंगु करने की कोशिश के साथ आइएसआइ उसी समय अधिक से अधिक आतंकवादियों को भी धकेलने की कोशिश करेगी। एक ही

ISI समर्थित संगठन रच रहे हैं भयावह साजिश

उसने दर्जनों आतंकवादियों को भारत में भेजने के विशेष इरादे से उन्हें प्रशिक्षित भी किया है। खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी का कहना है कि घुसपैठ का खतरा असम, त्रिपुरा और बंगाल में नदी मार्गों तथा कम श्यता वाले मार्गों पर है। अधिकारी ने कहा, ये तत्व इन क्षेत्रों में वन क्षेत्र का भी फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। बांग्लादेश में आइएसआइ समर्थित संगठनों ने विगत कई महीनों में बड़ी संख्या में रोहग्याओं की पहचान की और उनकी आर्थिक तंगी का फायदा उठाया।

विरोध प्रदर्शन में बीएलओ और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

कोलकाता। टीएमसी के प्रति झुकाव रखने वाली बीएलओ अधिकार रक्षा समिति से संबद्ध लगभग 400 प्रदर्शनकारियों ने बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) पर काम के दबाव को लेकर सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा पुलिस से उनकी झड़प भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक पर चढ़ने और सीईओ कार्यालय के मुख्य द्वार की ओर बढ़ने की कोशिश की। हालांकि, भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किये गए थे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया के दौरान बंगाल में बीएलओ पर कथित तौर पर काम का दबाव

बढ़ने और दिशानिर्देशों में बार-बार होने वाले बदलावों को लेकर प्रदर्शनकारी सीईओ मनोज अग्रवाल को अपनी शिकायतें देना चाहते थे। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका, जिसके चलते झड़प हुई और कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में पुलिस का एक अधिकारी घायल हो गया, जबकि प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि एक महिला प्रदर्शनकारी से पुलिस ने मारपीट की। प्रदर्शनकारियों में से एक स्वप्ना मंडल ने कहा, 'हर दिन नए नियम और दिशानिर्देश जारी किए जा रहे हैं।

कांग्रेस ने कराया अपने 32 नेताओं का कत्ल?

नड्डा के सनसनीखेज दावे से आया सियासी भूचाल

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ की राजनीति में भूचाल ला दिया है। उन्होंने 2013 के झीरम घाटी नक्सली हमले को लेकर कांग्रेस पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। नड्डा ने दावा किया कि इस हमले में कांग्रेस के ही कुछ लोग शामिल थे और उन्होंने ही अपने नेताओं की जानकारी नक्सलियों को दी थी।

जांजगीर चांपा में आयोजित एक जनसभा के दौरान उन्होंने कहा कि जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं तो जनता का क्या होगा। यह बयान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा

सरकार के दो साल पूरे होने पर आयोजित 'जनादेश परब' में आया। जेपी नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभारी रहते हुए उन्होंने झीरम घाटी की घटना को करीब से देखा था। उन्होंने पूरी जिम्मेदारी के साथ कहा कि कांग्रेस के लोगों ने ही अपनों को मरवाने के लिए नक्सलियों से संपर्क किया था। उन्होंने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को राज्य से नक्सलवाद खत्म करने का श्रेय भी दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों की सफलता का जिक्र करते हुए आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में राज्य में 503 से अधिक नक्सलवादी मारे गए हैं। सिर्फ इसी साल 284 माओवादी ढेर हुए हैं, जिनमें से 255 बस्तर क्षेत्र के थे। वहीं पिछले साल यह आंकड़ा 219 था। इसके अलावा, पिछले दो सालों में करीब 2500 नक्सलियों ने सरेंडर किया है और 1853 को गिरफ्तार किया गया है।

बिहार में कब होगा कैबिनेट विस्तार?

पीएम मोदी और अमित शाह से मिले नीतीश कुमार

नई दिल्ली। बिहार में राजग की नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि राज्य में डबल इंजन की सरकार पूरी रफ्तार से बढ़ने के लिए तैयार है। शीर्ष नेताओं की यह मुलाकात औपचारिक शिष्टाचार तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके केंद्र में विकास एजेंडे, आंध्र प्रदेश को मिल रही मदद की तरह ही बिहार के लिए कुछ विशेष मदद, केंद्र-राज्य समन्वय और

राजनीतिक स्थिरता जैसे अहम मुद्दे भी शामिल थे। केंद्रीय फंडिंग को आसान बनाया जाएगा माना जा रहा है कि यह मुलाकात आने वाले समय में कुछ बड़ी योजनाओं की मंजूरी और केंद्रीय फंडिंग को आसान बना सकती है। केंद्र और राज्य के संबंधों को नई ऊर्जा दे सकती है। विकास योजनाओं को गति, वित्तीय सहयोग को मजबूती और राजनीतिक समन्वय के स्तर पर भी दूरगामी असर दिख सकता है। मोदी-नीतीश की मुलाकात को बिहार के लिए इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद यह मुख्यमंत्री का पहला औपचारिक दिल्ली दौरा था।

ऐसे में केंद्र के शीर्ष नेतृत्व से सीधे संवाद ने यह संदेश दिया कि विकास को लेकर राज्य-केंद्र के बीच किसी तरह का तालमेल का अभाव नहीं है। नीतीश ने बिहार की प्राथमिकताओं पर चर्चा की प्रधानमंत्री के साथ करीब आधा घंटा की बैठक में नीतीश ने बिहार की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। मुख्य फोकस राज्य में निवेश और रोजगार बढ़ाने, बुनियादी ढांचे को तेजी से मजबूत करने, केंद्रीय सहायता से चल रही योजनाओं को गति देने और नई विकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय मदद पर था। नीतीश ने प्रधानमंत्री मोदी को बिहार के सात निश्चय-3 के तहत प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी दी और इनके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संसाधनों पर विमर्श किया। प्रधानमंत्री से मिलने के बाद नीतीश ने गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

BMC चुनाव से पहले कांग्रेस का बड़ा दांव, उत्तर भारतीयों के लिए 7 सूत्रीय घोषणा पत्र जारी

मुंबई। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

बीएमसी चुनाव की तैयारियों में सियासी गतिविधियां तेज हो गई है। रविवार को उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ मुंबई कांग्रेस ने 7 सूत्रीय घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें उत्तर भारतीयों के सम्मान और स्वरोजगार को बचाने के साथ कई बड़े वादे किए गए हैं।

मालाड में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में कांग्रेस ने मुंबई के उत्तर भारतीयों को साधने के लिए सात सूत्रीय घोषणा पत्र जारी किया। पार्टी ने रोजगार संरक्षण, भेदभाव से मुक्ति और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने का वादा करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। बीएमसी चुनाव की तैयारियों के बीच सियासी हलचल तेज हो गई है, जहाँ उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ मुंबई कांग्रेस ने रविवार को अपना 7 सूत्रीय घोषणा पत्र जारी किया। मालाड स्थित शारदा ज्ञान पीठ इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित इस विमोचन कार्यक्रम में कांग्रेस ने उत्तर भारतीयों के सम्मान और स्वरोजगार को बचाने के लिए कई बड़े वादे किए हैं। घोषणा पत्र में 'हॉकर नीति' को प्रभावी बनाने और 'स्मार्ट वेंडिंग' पर विशेष जोर दिया गया है। पार्टी ने

आश्वासन दिया है कि टाउन वेंडिंग कमेटी के चुनावों को पारदर्शी बनाया जाएगा और हर पात्र विक्रेता को डिजिटल लाइसेंस प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए सीएनजी स्टेशनों की संख्या बढ़ाने और उनके लिए विशेष विश्राम केंद्र व मुफ्त स्वास्थ्य जांच कार्यशालाएं आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा गया है। त्योहारों और सांस्कृतिक सम्मान पर विशेष ध्यान उत्तर भारतीय समाज की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए घोषणा पत्र में छठ पूजा और दिवाली के लिए विशेष सुविधाओं की घोषणा की गई है। कांग्रेस ने वादा किया है कि रेलवे स्टेशनों के बाहर बड़े वेटिंग एरिया बनाए जाएंगे, जहां 10 से 50 रुपये के बीच किफायती भोजन की व्यवस्था होगी। साथ ही, समुद्र तटों पर स्थायी छठ घाट, विसर्जन कुंड और महिलाओं के लिए सुरक्षित चेंजिंग रूम के साथ लाइफगार्ड की स्थायी व्यवस्था की जाएगी। समाज की सांस्कृतिक जरूरतों के लिए एक भव्य 'प्रवासी भवन' बनाने की भी योजना है, जिसे सांस्कृतिक आयोजनों और शादियों के लिए रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा।

भाजपा पर तीखा हमला

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की सत्तासीन भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार किया।

राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे ने आरोप लगाया कि भाजपा के आने के बाद देश में भाईचारे का ताना-बाना कमजोर हुआ है और सीमाएं असुरक्षित हुई हैं। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा उत्तर भारतीयों को महापौर और मंत्री जैसे पदों तक पहुंचाया है, जबकि भाजपा केवल करती।

लाइट ऑन करते ही हुआ धमाका, मुंबई में Cylinder Blast की दो घटनाएं, 3 लोग झुलसे

रविवार को शहर के दो अलग-अलग इलाकों में सिलेंडर ब्लास्ट का मामला सामने आया है। पहला मामला अंधेरी पूर्व के मरोल स्थित रमाबाई नगर का है जहां सुबह गैस रिसाव के कारण भीषण विस्फोट हुआ।

जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें से एक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, घर के सदस्य जब सो रहे थे, तब गैस पूरे घर में फैल चुकी थी। सुबह उठने के बाद जैसे ही लाइट चालु की गई, चिंगारी पैदा हुई और अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। विस्फोट के बाद घर में आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। दूसरा मामला कोलाबा का है, जहां स्कोलाबा सोशलर नामक रेस्टोरेंट में रविवार शाम आग लग गई। रसोईघर में गैस सिलेंडर फटने के कारण लगी इस आग में दो लोग झुलस गए। घटना की सूचना शाम करीब 4.30 बजे फायर ब्रिगेड को दी गई।

घायलो की पहचान सुनील सिंह (28) और सुब्रत बराई (35) के रूप में हुई है। दोनों को इलाज के लिए सेंट जॉर्ज अस्पताल में भर्ती कराया गया।अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ। हर्षवर्धन बंसोडे ने बताया कि सुनील सिंह को 5 प्रतिशत और सुब्रत बराई को 15 प्रतिशत तक झुलसे हैं। फिलहाल दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। आग की सूचना दमकल विभाग को शाम 4.36 बजे मिली और इसे लेवल-1 की आग घोषित किया गया, करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद 4।56 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, स्थानीय निवारिस्यों ने बताया कि उन्होंने सिलेंडर फटने की तेज आवाज सुनी।

नवी मुंबई में शिवसेना की बढ़ती ताकत, महायुति को जीत का भरोसा

मुंबई। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

शिवसेना ने महाराष्ट्र में हुए नगरपालिका के चुनावों में ज्यादा सीटें जीती हैं। नवी मुंबई में शिवसेना की ताकत बढ़ रही है। इसलिए लापरवाह होने के बजाय, सभी को एक दिल से काम करना चाहिए और नवी मुंबई मनपा पर महायुति का भगवा झंडा लहराना चाहिए। यह बात उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कही। वे नवी मुंबई में आयोजित शिवसेना पदाधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे। इस मौके पर सांसद नरेश म्हस्के, नवी मुंबई मनपा के पूर्व नेता विपक्ष विजय चौगुले, उपनेता विजय नाहटा, जिला प्रमुख द्वारकानाथ भोईर, जिला प्रमुख किशोर पाटकर, अंकुश कदम समेत शिवसेना पदाधिकारी, महिला आघाडी, युवा सेना के पदाधिकारी, नगरसेवक और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे। उक्त सभा में शिवसेना (उबाठा), एनसीपी पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) और दूसरी कई पार्टियों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शिवसेना में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने वालों में अजित पवार की एनसीपी के जिला अध्यक्ष नामदेव भगत, शिवराम पाटिल, रमाकांत म्हात्रे, मनोज हलदनकर मुख्य रूप से शामिल थे। शिंदे ने कहा कि इन चुनावों में जनता ने तय कर दिया है

मुंबई में 26 दिसंबर तक पानी की सप्लाई पर ब्रेक! ये इलाके होंगे प्रभावित

मुंबई। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) की मेट्रो लाइन 7-ए परियोजना के कार्य के चलते अपर वैतरणा मुख्य जल पाइपलाइन के एक हिस्से का मार्ग बदला गया है। यह पाइपलाइन 2400 मिमी व्यास की है और मुंबई की जल आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। बदले गए इस हिस्से को दोबारा जोड़ने का कार्य बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) द्वारा किया जाएगा। 22 से 26 दिसंबर तक चलेगा मरम्मत कार्य बीएमसी प्रशासन के अनुसार, यह कार्य 22 दिसंबर से 26 दिसंबर तक रोजाना सुबह 1 बजे से किया जाएगा। इस दौरान कुछ इलाकों में जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। मरम्मत कार्य को सुरक्षित और

व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के लिए यह समय निर्धारित किया गया है। कई इलाकों में पानी का दबाव रहेगा कम पाइपलाइन के इस कार्य का असर बीएमसी के दक्षिणी प्रभाग के कुछ हिस्सों में देखने को मिलेगा। खास तौर पर भांडुप और विक्रोली क्षेत्रों में पानी का दबाव कम रहेगा। इसके साथ ही जल आपूर्ति के समय में भी अस्थायी बदलाव किया जाएगा। नागरिकों को इस दौरान पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। इन इलाकों में अधिक असर की संभावना बीएमसी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, भांडुप पश्चिम के क्वारी रोड, तेम्भी पाड़ा, कोंकण नगर, समर्थ नगर, भट्टी पाड़ा, उत्कर्ष नगर, श्रीरामपाड़ा, त्रिमूर्ति नगर, वाघोबावाड़ी समेत आसपास के अन्य इलाकों में जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। नागरिकों से पानी संग्रह और संयम बरतने की अपील बीएमसी प्रशासन ने एस सेक्टर के नागरिकों से एहतियात के तौर पर पहले से आवश्यक मात्रा में पानी का भंडारण करने की अपील की है। साथ ही मरम्मत कार्य के दौरान पानी का उपयोग अत्यंत संयम से करने का अनुरोध किया गया है, ताकि सभी को न्यूनतम असुविधा हो। बीएमसी ने नागरिकों को सलाह दी है कि अगले कुछ दिनों तक पीने के पानी को उबालकर और छानकर ही उपयोग करें। पाइपलाइन कार्य के बाद शुरुआती दिनों में पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, इसलिए स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह सावधानी जरूरी बताई गई है।

असुविधा के लिए प्रशासन ने मांगा सहयोग बीएमसी प्रशासन ने इस अस्थायी असुविधा के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की है और कहा है कि यह कार्य मेट्रो परियोजना और भविष्य की बेहतर बुनियादी सुविधाओं के लिए आवश्यक है। कार्य पूरा होते ही जल आपूर्ति को पहले की तरह सुचारू किया जाएगा।

उद्धव ठाकरे बनाम महायुति, मराठी और उत्तर भारतीय के हाथ चाबी, जानिए BMC चुनाव में दिंडोशी का सियासी गणित

मुंबई : शिवसेना (अविभाजित) का गढ़ माना जाने वाला दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र बीएमसी चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले की ओर बढ़ता दिख रहा है। इनमें मौजूदा स्थिति में 3 पर शिवसेना (शिंदे), 2 पर BJP और दो पर शिवसेना (UBT) काबिज है। चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि इस क्षेत्र पर शिवसेना (UBT) के विधायक सुनील प्रभु का खासा दबदबा है, क्योंकि वे तीन बार से यहां से विधायक है। हालांकि 2024 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर शिवसेना (शिंदे) के उम्मीदवार संजय निरुपम ने प्रभु को कड़ी टक्कर दी थी और मात्र 6182 मतों से प्रभु इस सीट को निकालने में सफल हुए थे। तब से कयास लगाए जा रहे है कि शिवसेना (UBT) के इस मजबूत गढ़ को भेदा जा सकता है।

इसलिए इस बार के निकाय चुनाव में शिवसेना (शिंदे), बीजेपी और उद्धव सेना पूरी तैयारी में है।

लवासा केस में पवार परिवार को बड़ी राहत, बॉम्बे हाईकोर्ट ने CBI जांच की याचिका खारिज की

मुंबई। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, सांसद सुप्रिया सुले और उपमुख्यमंत्री व एनसीपी प्रमुख अजित पवार को बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने वकील नानासाहेब जाधव की उस याचिका को ठुकरा दिया है, जिसमें लवासा परियोजना के लिए दी गई अनुमतियों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की गई थी। कोर्ट ने क्यों खारिज की याचिका? बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की पीठ ने सोमवार को इस मामले पर अपना फैसला सुनाया। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता नानासाहेब जाधव ऐसा कोई ठोस कानूनी प्रावधान पेश करने में विफल रहे, जिसके तहत कोई अदालत अपने दीवानी क्षेत्राधिकार का उपयोग करते हुए पुलिस को प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने का निर्देश दे सके। जाधव ने अपनी जनहित याचिका में केंद्रीय

अन्वेषण ब्यूरो (CBI) को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि वह पुणे जिले के लवासा में हिल स्टेशन निर्माण के लिए दी गई कथित अवैध अनुमतियों के संबंध में पवार परिवार के खिलाफ मामला दर्ज करे। यह कानूनी विवाद काफी समय से चल रहा है। इससे पहले फरवरी 2022 में भी जाधव ने लवासा को दी गई विशेष अनुमतियों को अवैध घोषित करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी, जिसे उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

हालांकि, उस समय अदालत ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा था कि ऐसा प्रतीत होता है कि शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले ने अपने प्रभाव और दबदबे का थोड़ा इस्तेमाल किया है। इसके बावजूद, अदालत ने तब भी इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। याचिकाकर्ता जाधव के अनुसार, उन्होंने दिसंबर 2018 में ही पुणे पुलिस आयुक्त के पास इस मामले की जांच के लिए शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण उन्हें 2023 में नई जनहित याचिका के जरिए सीबीआई जांच की मांग करनी पड़ी।

दूसरी ओर, शरद पवार ने इस साल मार्च में एक हस्तक्षेप याचिका दायर कर जाधव की याचिका का कड़ा विरोध किया था।

डोर टू डोर जनसंपर्क से वार्ड 39 में बदलाव की दस्तक — जनता की पहली पसंद बन रहीं एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला

मुंबई। कांदिवली

कांदिवली पूर्व के वार्ड क्रमांक 39 में नगरसेवक पद की प्रत्याशी एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला का जनसंपर्क अभियान पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुका है। सुबह से देर शाम तक बिना थके डोर टू डोर जनसंपर्क कर वे हर गली, हर घर और हर नागरिक तक पहुँचने का संकल्प लेकर मैदान में उतरी हैं।जनता से सीधा संवाद, समस्याओं को मौके पर सुनना और उनका तत्काल समाधान निकालना—यही एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला की पहचान बन गई है। चुनाव आने से पहले ही जनसमस्याओं का अधिकतम निराकरण करना उनके कर्मठ, संवेदनशील और संघर्षशील नेतृत्व को दर्शाता है।स्थानीय नागरिकों का साफ कहना है कि एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला केवल वादों की राजनीति नहीं करतीं, बल्कि काम करके दिखाने वाली जननेत्री हैं। नाली, पानी, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर उनकी सक्रियता ने वार्ड 39 की जनता में नई ऊर्जा और विश्वास भर दिया है।क्षेत्रवासियों का मानना है कि यदि एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला वार्ड 39 से विजयी होती हैं, तो यह जीत सिर्फ एक प्रत्याशी की नहीं, बल्कि जनता की जीत होगी। उनकी जीत से वार्ड में वर्षों से चली आ रही समस्याओं पर निर्णायक प्रहार होगा और विकास, पारदर्शिता व जवाबदेही की नई शुरुआत होगी।आज वार्ड 39 की जनता एक स्वर में कह रही है—"जो हर समय साथ खड़ी रहीं, वही हमारी सच्ची प्रतिनिधि हैं।"एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला क्षेत्र की नई उम्मीद और मजबूत आवाज़ बनकर उभर रही हैं।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई मध्य मंडल, पश्चिम रेलवे

मंडल रेलवे प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई मध्य, मुंबई - 400008
कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों से विज्ञापन प्रदर्शित करना

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-64	09-01-26 15:00:00

क्रम संख्या	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि और समय
1	ADVT-BCT-PL-OH-456-25-1 (विज्ञापन- आउट ऑफ होम)	लोअर परेल रेलवे वर्कशॉप के उत्तर-पश्चिम कोने पर स्थित 1600 वर्ग फुट क्षेत्रफल (संरचना की मरम्मत/मजबूतीकरण सहित) वाले एक मौजूदा होर्डिंग पर विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए 5 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1826	09-01-26 15:30:00
2	ADVT-BCT-BDTS-OSN- 212-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल))	बांद्रा टर्मिनस (बीडीटीएस) स्टेशन पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	09-01-26 15:40:00
3	ADVT-BCT-DDR-OSN- 339-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल))	दादर (डीडीआर) स्टेशन के प्लेटफार्मों पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	09-01-26 15:50:00
4	ADVT-BCT-BA-OSN- 440-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल))	बांद्रा (बीए) स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	09-01-26 16:00:00
5	ADVT-BCT-CYR-OSN- 442-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल))	चर्नी रोड (सीवाईआर) स्टेशन पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	09-01-26 16:10:00
6	ADVT-BCT-DDR-OSN- 443-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल))	दादर (डीडीआर) स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	09-01-26 16:20:00
7	ADVT-BCT-ADH-OSN- 441-25-1 (विज्ञापन- स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल))	अंधेरी स्टेशन के ऊपरी डेक पर बैठने की व्यवस्था के साथ ग्लो लॉलीपॉप के लिए 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	09-01-26 16:30:00

संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबरः 02267644212, ईमेल आईडीः acmadvtgbct@gmail.com
नोटः इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे ईंइए वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। वहां उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत लॉट-वार विवरण उपलब्ध हैं। 0922
Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विभिन्न कार्य

मंडल रेलवे प्रबंधक (पश्चिमी रेलवे), पश्चिमी रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, निविदा सूचना संख्या BCT/25-26/284 दिनांकः 18.12.2025 को आमंत्रित करता है। कार्य और स्थानः उधना-उकाई सोंगाध - स्लीपर नवीनीकरण (पी) - 23.059 टन किमी (ठेकेदार के पीक्यूआरएस पोर्टल के माध्यम से)। (विज्ञान और प्रौद्योगिकी भाग सहित संयुक्त निविदा) (आर-2)। **कार्य की अनुमानित लागतः** 5,72,45,494.29 रुपये। **अनुमानित लागतः** 4,36,200.00 रुपये। **निविदा जमा करने की तिथि और समयः** 13.01.2026, दोपहर 3 बजे तक। **खुलने का समय और तिथिः** 13.01.2026 को दोपहर 3:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0915
facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
ईओटी के विभिन्न कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 13 द्वारा निविदा सूचना संख्या PL-MnP-REPAIR-EOT दिनांकः 18/12/2025 को आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम और स्थानः** लोअर परेल कार्यशाला में विभिन्न क्षमता की ईओटी क्रेनों की मरम्मत, पुनर्निर्माण और परीक्षण (यांत्रिक भाग)। अनुमानित लागतः 990728.00 रुपये। ईएमडीः 19800.00 रुपये। **जमा करने की तिथि और समयः** 09.01.2026, दोपहर 12:00 बजे तक। निविदा खोलने की तिथि और समयः 09.01.2026 को दोपहर 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0917
facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
कीचड़ हटाना

सीनियर डीईएन (दक्षिण) एमएमसीटी निविदा सूचना संख्या बीसीटी/25-26/283 दिनांकः 18.12.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य स्थलः** चर्चगेट - विरार खंड - जोगेश्वरी एटी डंपिंग ग्राउंड से कीचड़ और कचरा हटाना और रेलवे परिसर से बाहर उसका निपटान करना। **कार्य की अनुमानित लागतः** 79,23,481.47 रुपये। अनुमानित लागतः 1,58,500.00 रुपये। आवेदन जमा करने की तिथि और समयः 16.01.2026, दोपहर 3:00 बजे तक। निविदा खोलने की तिथि और समयः 16.01.2026 को दोपहर 3:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0921
facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विभिन्न कार्य

मंडल रेलवे प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिमी रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, निविदा सूचना संख्या BCT/25-26/285 दिनांकः 19.12.2025 को आमंत्रित करता है। कार्य एवं स्थानः (i) उधना-उकाई सोंगाध खंड - एडेन-व्यारा खंड के अंतर्गत विभिन्न RUB पर रिसाव, अपवाह जल और जलभराव से बचाव के लिए पहुंच दीवारों, सड़कों, मिट्टी के काम, ग्राउटिंग आदि की ऊँचाई बढ़ाना। (ii) उधना-उकाई सोंगाध खंड - प्रमुख पुल संख्या 17, 52A, 26, 60, 63 और 70 की टो वॉल, रिटर्न वॉल, गिट्टी की दीवार, स्लैब, पियर एबटमेंट आदि को सुदृढ़ करना। लगभग। **कार्य की लागतः** 6,60,72,341.78 रुपये। ईएमडीः 4,80,400.00 रुपये। आवेदन जमा करने की तिथि एवं समयः 13.01.2026, दोपहर 3:00 बजे तक। खोलने की तिथि एवं समयः 13.01.2026 को दोपहर 3:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0918
facebook.com/WesternRly

इंडिया ग्रोथ स्टोरी की निकाली जा रही हवा, IPO मार्केट में खुलेआम लूट, SEBI और सरकार खामोश

मुंबई। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

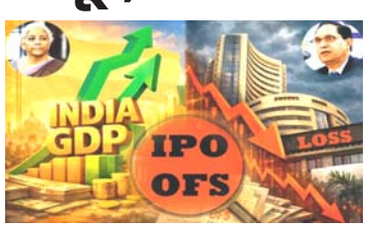

भारतीय शेयर बाजार में इस समय विचित्र स्थिति है। भले ही दोनों मुख्य बेंचमार्क सेंसेक्स (Sensex) और निफ्टी (Nifty) अपने सर्वोच्च स्तरों के नजदीक हैं, लेकिन बाजार के अंदरूनी हालात बहुत खराब हैं। इसका सहज अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाजार का व्यापक रूख दर्शाने वाला बीएसई स्मॉलकैप (BSE Smallcap), जिसमें 1223 कंपनियों के शेयर शामिल हैं, इस साल अब तक 13% नुकसान में है और बाजार में लिस्टेड 80% से अधिक कंपनियों के शेयरों में मंदी छाई हुई है। रुपया (Rupee) रोज गिर रहा है। यह स्थिति तब है, जब अर्थव्यवस्था (Indian Economy) तेज रफ्तार से दौड़ रही है। इतिहास में पहली बार ऐसी विचित्र स्थिति देखी जा रही

है, जब इंडियन इकोनॉमी के तमाम फैक्टर पॉजिटिव हैं। मसलन जीडीपी की 8% की तेज ग्रोथ (High GDP Growth), स्थिर सरकार, नियंत्रित महंगाई दर, ब्याज दरों में कटौती, बंपर मानसून, इनकम टैक्स व जीएसटी दरों में भारी कटौती, क्रूड ऑयल कीमतें निचले स्तरों पर आना और कार्पोरेट इंडिया की बढ़ती कमाई।यानी ऐसा कोई फैक्टर नहीं है, जो चिंताजनक हो। रिटेल निवेशक भी म्यूचुअल फंड स्कीमों (Mutual Funds) के जरिए खूब निवेश कर रहे हैं। फिर भी 2025 पूरा मंदी में बीत रहा है। ऐसे अजब हालात देख आम निवेशक हैरान हैं। दरअसल, इंडिया ग्रोथ स्टोरी (India Growth Story) की हवा निकाली जा रही है और इसके जिम्मेदार हैं लालची मर्चेंट बैंकर (Geedy Merchant Bankers), प्रमोटर (Company Promoters) और बड़े फंड हाउस (Fund Houses)। यानी ये पूंजीपति मिलीभगत से महंगे आईपीओ (High Price IPO) के जरिए देश के करोड़ों रिटेल निवेशकों ((Retail Investor) को जमकर चूना लगा रहे हैं और नियामक 'सेबी' (SEBI) के अधिकारी खामोश हैं। वे सिर्फ चिंता व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन कोई भी एक्शन नहीं ले रहे हैं।

30 साल पहले भी मची थी ऐसी लूट

बड़े ऑपरेटर और फंड हाउस कुछ चुनिंदा बड़े शेयरों को बढ़ाकर सेंसेक्स-निफ्टी को ऊपरी स्तरों पर टिकाए हुए हैं, ताकि सेंटिमेंट अच्छा रख महंगे आईपीओ में रिटेल निवेशकों को फंसाया जा सके।

खत्म हुआ राजनीतिक वनवास , संदीप नाईक की भाजपा में घर वापसी

मुंबई। संवाददाता
मंत्र न्यूज

विधानसभा का टिकट न मिलने पर भाजपा के जिला अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देकर शरद पवार की एनसीपी से चुनाव लड़ने वाले संदीप नाईक को हार का सामना करना पड़ा था। अपनी हार के बाद लंबे समय से राजनीतिक वनवास झेल रहे संदीप नाईक फिर से भाजपा में शामिल हो गए, उन्होंने बीती शाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। उनके आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल होने पर उनके समर्थकों और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर अपनी खुशी जाहिर की। संदीप नाईक का भाजपा में प्रवेश प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में हुआ। भाजपा में शामिल होने के बाद सीएम से मिले संदीप नाईक इसके बाद संदीप नाईक ने सद्भावना के तौर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। संदीप नाईक की भाजपा में प्रवेश से नवी मुंबई भाजपा में उत्साह का माहौल है। कहा जा रहा है कि उनके प्रवेश से भाजपा को मजबूती मिलेगी। उन्होंने नवी मुंबई भाजपा के जिला अध्यक्ष के तीर पर जिम्मेदारी संभाली थी। इस मौके पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संदीप नाईक ने कहा, कि मेरी सामाजिक और राजनीतिक यात्रा हमेशा जनता के हित और नवी मुंबई के विकास के इर्द-गिर्द रही है। मुझे हमेशा महाराष्ट्र के विकास पुरुष, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन और समर्थन का फायदा मिला है।विकास के लिए भाजपा में हुआ शामिलउन्होंने कहा कि में भारतीय जनता पार्टी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राज्य अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और वन मंत्री गणेश नाईक का दिल से धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि आज, भारतीय जनता स्थिर और दूरदर्शी विकल्प है।

गोवंडी में बदले समीकरण, बीएमसी चुनाव में कांग्रेस को दिख रहा मौका

मुंबई। संवाददाता
मंत्र न्यूज

आगामी बीएमसी चुनाव में कांग्रेस ने अकेले लड़ने का फैसला किया है। यह अब पूरी तरह साफ हो गया है। शहर की कुल 227 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार नजर आएंगे।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि कांग्रेस इस चुनाव में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ेगी लेकिन कांग्रेस कुछ हटकर रणनीति बनाने में जुटी हुई है। मानखुर्द-शिवाजी नगर विधानसभा के गोवंडी इलाके में समाजवादी पार्टी (सपा) का दबदबा है, जहां पिछले चुनाव में सपा की तरफ से 5 नगरसेवक चुनकर आए थे। कांग्रेस सपा के किला को भेदना चाहती है और इन पांच सीटों पर कब्जा करना चाहती है। यह सीट बीएमसी के एम पूर्व वार्ड के अंतर्गत आती है, जिसमें वार्ड 134, 136, 137, 138 और वार्ड 139 शामिल है। ऐसे में यह एक दिलचस्प मुकाबला हो सकता है।सपा के नगरसेवक टूटने से कसप्रेस को मौरा मिल सकता है। चार्ड 137 में पिछले 15 वर्षों से लगातार सपा की तरफ से नगरसेवक बने थे, सपा की पूर्व नगरसेवक आयेशा रफीक शेख ने सपा को छोड़कर शिंदे सेना का दामन थाम लिया है। इसके अलावा वार्ड 139 के पूर्व नगरसेवक अख्तर कुरैशी भी सपा छोड़कर शिंदे सेना से जुड़ गए है। वार्ड 139 सामान्य महिला सीट होने के नाते उनकी पत्नी जरीन अख्तर कुरैशी ने यहां से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बीएमसी सबसे समृद्ध महानगरपालिका है, जिसका 74 हजार करोड़ का बजट है, लेकिन दुःख की बात है कि यहां के निवासियों को पीने का सापक पानी उपलब्ध नहीं है, नालों की नियमित सफाई नहीं होती है। एसएमएस कंपनी और देवनार डफिग ग्राउंड होने की वजह से यहां प्रदूषण की कोई कमी नहीं है जिसकी वजह से जीवन प्रत्याशी दर यहां का लगभग 39 वर्ष है, यहां की जनता का मत हमारे साथ है। हमे परिवर्तन विकास के लिए वोट करेंगे।

मुंबई में फर्जी जॉइंट कमिश्नर बनकर गैस डीलर 1 करोड़ की ठगी, एनकाउंटर की धमकी देकर वसूले पैसे

मुंबई के मलाड के गैस डीलर राहुल गुप्ता को फर्जी 'जॉइंट सीपी' और 'पुलिस कमिश्नर' का डर दिखाकर शातिर ठगों ने करोड़ों रुपये लूट लिए। एनकाउंटर और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी से टूटकर पीड़ित घर छोड़कर भाग गया था, जिसे पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है। ठगी का मायाजाल और 'सुपारी' का झूठा आरोप मुंबई के मलाड पूर्व निवासी 39 वर्षीय राहुल गुप्ता, जो भारत पेट्रोलियम के एक बड़े गैस डीलर हैं, एक सुनियोजित साजिश का शिकार हो गए। इस ठगी की नींव तब रखी गई जब उनके गोदाम पर चंदा मांगने आने वाले प्रवीण खेडेकर नाम के व्यक्ति ने उनसे कुछ हजार रुपये उधार लिए। इसके बाद राहुल को एक अज्ञात कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को मुंबई पुलिस का 'जॉइंट सीपी' बताया। जालसाज ने आरोप लगाया कि प्रवीण खेडेकर ने एक हत्या की है और राहुल ने उसे इसकी 'सुपारी' (अनुबंध राशि) दी है। गिरफ्तारी के डर से राहुल ने ठगों के कहे अनुसार धनजेवाड़ी बीएमसी गार्डन के पास एक व्यक्ति को 50 हजार रुपये नकद दे दिए। इसके बाद ठगों ने अपना जाल और फैलाना शुरू किया। कभी केस दबाने के नाम पर तो कभी पुलिस कमिश्नर से 'सेटिंग' कराने के नाम पर राहुल से अंधेरी फ्लाईओवर के पास 7 लाख रुपये और ऐंठ लिए गए। फर्जी कमिश्नर और एनकाउंटर का खौफ ठगी का यह खेल यहीं

नहीं रुका। इसके बाद ठगों ने खुद को पुलिस कमिश्नर बताकर राहुल को फोन किया और धमकी दी कि यदि उन्होंने 20 लाख रुपये और नहीं दिए, तो उनका एनकाउंटर कर दिया जाएगा और उनके परिवार को नुकसान पहुंचाया जाएगा। डर के मारे राहुल ने अपनी जमा-पूंजी लुटाना जारी रखा। बाद में, अविनाश शिंदे नाम के एक और कथित अधिकारी ने फोन कर केस सेटल करने के नाम पर फिर से लाखों की मांग की। राहुल ने एक 65 वर्षीय बुजुर्ग को किश्तों में करीब 80 लाख रुपये नकद सौंपे और बाकी की राशि आरोपियों द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर कर दी। कुल मिलाकर ठगों ने करीब 1 करोड़ रुपये की राशि हड़प ली।मानसिक दबाव और पुलिस की सफल कार्रवाई लगातार धमकियों और आर्थिक बोझ से मानसिक रूप से टूट चुके राहुल 15 दिसंबर को बिना किसी को बताए घर से निकल गए। पुलिस को अंदेशा है कि वह आत्महत्या करने का विचार कर रहे थे। उनकी पत्नी की शिकायत पर दिंडोशी पुलिस ने जांच शुरू की और 19 दिसंबर को उन्हें पालघर के दहानू रेलवे स्टेशन से सुरक्षित बरामद किया।राहुल का बयान दर्ज करने के बाद, पुलिस ने चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस (BNS) की धारा 308(4), 308(5), 308(6) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब कॉल डिटेल्स और सीसीटीवी फुटेज के जरिए इस गिरोह की तलाश कर रही है।इस पूरे मामले को एक ऐसे मकड़जाल की तरह समझा जा सकता है, जिसमें पीड़ित जितना बचने की कोशिश करता गया, डर और धमकियों की उतना ही गहराई में फंसता चला गया।

मुंबई में आवारा कुत्तों पर नज़र रखने के लिए बीएमसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करेगीः रिपोर्ट

मुंबई। संवाददाता
मंत्र न्यूज

शहर में आवारा कुत्तों की आबादी के स्वास्थ्य, गतिशीलता और व्यवहार को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित एक प्रणाली लागू करने की योजना बना रहा है। निजी व्यवसायों, गैर-सरकारी संगठनों और एक स्टार्टअप को शामिल करते हुए एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से, शुरुआत में 10,000 आवारा कुत्तों पर नज़र रखी जाएगी। एआई सिस्टम कैसे काम करेगा इस तकनीक की शुरुआत कुत्तों की तस्वीरें खींचकर उनकी पहचान करने से होगी। टीकाकरण और नसबंदी के बाद, जानवरों में विशेष सेंसर लगाए जाएंगे। सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, मोबाइल एप्लिकेशन और मैन्युअल रूप से ली गई तस्वीरों सहित कई स्रोतों से डेटा एकत्र किया जाएगा। एआई इस जानकारी का विश्लेषण करके आवागमन के पैटर्न का मानचित्रण करेगा, अधिक कुत्तों की आबादी वाले वार्डों की पहचान करेगा और संभावित हमले के हॉटस्पॉट को इंगित करेगा। अधिकारियों ने इस प्रणाली को जानवरों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के समान बताया है, जिससे नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने और नसबंदी और टीकाकरण.

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में हार के बाद विपक्ष का चुनाव आयोग पर हमला, निष्पक्षता पर सवाल

मुंबई। संवाददाता
मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव में विपक्ष की महाविकास आघाड़ी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है।

इस हार से चिढ़ा विपक्ष ने एक बार फिर इसका ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ दिया है।

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा है कि इस परिणाम ने चुनाव आयोग की लापरवाह और अव्यवस्थित कार्यप्रणाली को एक बार फिर उजागर कर दिया है। उनके मुताबिक यह चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष (फ्री एंड फेयर) नहीं रहा।

सत्ताधारी दलों द्वारा साम, दाम, दंड, भेद की नीति का खुलेआम इस्तेमाल किया गया। चुनावों में फर्जी मतदाता, दबाव की राजनीति, सत्ता का दुरुपयोग और धन का भारी प्रयोग देखने को मिला।

सत्ताधारी दलों की इस जीत में चुनाव आयोग की भूमिका सबसे अहम रही है।

सेटिंग से जीता चुनाव

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने महायुत्ति की जीत को 'मशीन की सेटिंग' करार देते हुए दावा किया है कि भाजपा ने परिणामों को अपने हिसाब से फिट किया है।

उन्होंने चुनावी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि साल 2024 में हुए विधानसभा चुनाव व इन स्थानीय निकाय चुनावों के आंकड़ों में कोई खास अंतर नहीं है।

राउत ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि विधानसभा में भाजपा को 120-125, शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) को 54 और अजीत पवार की राकां को 40-42 सीटें मिली थीं, और अब भी नंबर वही हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के सीनियर नेता अंबादास दानवे ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी महायुति ने पैसे और बाहुबल की बदौलत निकाय चुनाव में यह जीत हासिल की है।

छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दलों ने संसाधनों का भारी इस्तेमाल किया है, जिसके कारण महाविकास आघाडी की तुलना में महायुति ने अधिक सीटें हासिल की हैं।

हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इन परिणामों का असर 15 जनवरी को होने वाले 29 नगर निगमों के चुनावों पर नहीं पड़ेगा, दानवे के मुताबिक़ शहरी इलाकों में रहने वाले वोटर्स अलग मुद्दों पर अपना वोट देते हैं।

पनवेल वोटर लिस्ट में बड़ा फर्जीवाड़ा, एक पिता के नाम पर 268 वोटर

मुंबई। संवाददाता
मंत्र न्यूज

पनवेल मनपा की वोटर लिस्ट में वार्ड नंबर 2 की वोटर लिस्ट से एक चौंकाने वाली गड़बड़ी सामने आई है. एक ही पिता के नाम पर 268 बच्चों का नाम रजिस्टर्ड पाया गया. आरोप है कि यह सिर्फ एक तकनीकी गड़बड़ी नहीं, बल्कि एक गंभीर घोटाला है.

इस मामले में शेतकरी कामगार पार्टी के पूर्व नगरसेवक अरविंद म्हात्रे ने सीधे मुंबई हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. म्हात्रे की फाइल की गई याचिका में कहा गया है कि संबंधित वोटर लिस्ट में 268 नाम ज्यादातर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के युवाओं के हैं.

हालांकि वे सभी असल में पनवेल में नहीं रहते हैं, लेकिन उन्हें एका ही पते पर वोटर के तौर पर रजिस्टर्ड किया गया है. म्हात्रे ने कहा कि एक ही पिता के नाम पर इतनी बड़ी संख्या में एंट्री मिलना डेमोक्रेटिक प्रोसेस पर ही सवाल खड़े करता है. अरविंद म्हात्रे ने आगे कहा कि यह कोई मामूली

प्रशासनिक गलती नहीं है, बल्कि चुनाव प्रोसेस को प्रभावित करने की जान-बूझकर की गई कोशिश है. उन्होंने गंभीर दावा किया है कि यह लोकल वोटर लिस्ट में बाहरी राज्यों के लोगों के नाम शामिल करके चुनाव में गड़बड़ी फिलाने की साजिश है.एक पिता के नाम पर 268 बच्चों को दिखाना वोटर लिस्ट का मजाक है।

ठाणे में शिशु अपहरण पर सख्त रुख, कोर्ट ने सुनाया 3 साल की सजा

जिले की एक अदालत ने शहर राबोड़ी इलाके से पिछले साल पांच महीने के बच्चे के अपहरण करने के मामले में दो महिलाओं सहित तीन लोगों को तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सूर्यकांत एस शिंदे ने पिछले साल अक्टूबर में हुई इस घटना के लिए आरोपियों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137 (1) (बी) के तहत अपहरण का दोषी पाया।

गौरतलब हो कि कचरा बीनने वाली महिला वनिता राकेश पवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 अक्टूबर, 2024 को जब उनका परिवार राबोडी फ्लाईओवर के नीचे सो रहा था, तभी उनके शिशु का अपहरण कर लिया गया।

महाप्रबंधक, मध्य रेल द्वारा मध्य रेल वॉल कैलेंडर 2026 का विमोचन

श्री विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने दिनांक 22.12.2025 को मध्य रेल वॉल कैलेंडर 2026 का विमोचन किया। इस वर्ष, वॉल कैलेंडर का विषय "वंदे मातरम के 150 ऐतिहासिक वर्ष" है, जिसका शीर्षक है "गीत से आत्मा तक राष्ट्र को एकजुट करना।" कैलेंडर के एक तरफ देवनागरी लिपि में संपूर्ण वंदे मातरम लिखा हुआ है। दूसरी तरफ छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस का भव्य केंद्रीय गुंबद, एक उपनगरीय लोकल ट्रेन और एक वंदे भारत ट्रेन को दर्शाया गया है, जो भारतीय रेलवे के निरंतर विकास और ट्रेन यात्रा में प्रगति का प्रतीक है।

इस अवसर पर मध्य रेल के उप महाप्रबंधक श्री के.के. मिश्रा और मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्नील डी. निला भी उपस्थित थे।

दिनांकः 22 दिसंबर, 2025

पीआर क्रमांकः 2025/12/31

यह प्रेस विज्ञप्ति डॉ. स्वप्नील निला, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, मध्य रेल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई द्वारा जारी की गई है।

बीएमसी-एआरएआई की पहल, 3 साल में बनेगा एमएमआर एमिशन इन्वेंट्री

मुंबई। संवाददाता
मंत्र न्यूज

मुंबई उपनगरीय इलाकों में प्रदूषण के हॉटस्पॉट की सटीक पहचान करने और वायु गुणवत्ता के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने के उद्देश्य से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने एक अहम परियोजना की शुरुआत की है।

इसके तहत बीएमसी ने ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) के सहयोग से मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में प्रदूषणकारी उत्सर्जन का उच्च-रिजॉल्यूशन इन्वेंट्री तैयार करने का काम शुरू किया है। यह परियोजना तीन वर्षों की अवधि में पूरी की जाएगी और इसे 'एमएमआर ब्रिडेड एमिशन इन्वेंट्री प्रोजेक्ट' नाम दिया गया है। इस अध्ययन के अंतर्गत उद्योगों, सड़क की धूल, निर्माण स्थलों, आवासीय क्षेत्रों में ईंधन के उपयोग, कचरा जलाने, विमान संचालन, होटल तथा अन्य प्रमुख स्रोतों से होने वाले प्रदूषण का विस्तृत आकलन किया जाएगा। बीएमसी अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य यह समझना है कि मुंबई महानगर क्षेत्र में किन-किन गतिविधियों से कितनी मात्रा में प्रदूषक उत्सर्जित हो रहे हैं। एक बार उत्सर्जन के प्रमुख स्रोतों की पहचान हो जाने के बाद, इस डेटा का उपयोग प्रस्तावित एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम और डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के लिए किया जाएगा। यह प्रणाली पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) द्वारा विकसित की जा रही है। बीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस अध्ययन में प्रदूषकों के भौतिक और रासायनिक गुणों का विश्लेषण किया जाएगा, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किसी विशेष क्षेत्र में प्रदूषण का मुख्य कारण क्या है। उन्होंने कहा कि परियोजना का मकसद केवल आंकड़े जुटाना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक आधार पर यह तय करना है कि प्रदूषण कम करने के लिए किन क्षेत्रों और गतिविधियों पर सबसे पहले कार्रवाई की जानी चाहिए।

सम्पादकीय

विश्व की दिशा परिवर्तन का वर्ष

विश्व आर्थिक मंच, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, राजनयिक और विश्लेषक वर्ष 2025 को दुनिया की दिशा बदलने वाले वर्ष के रूप में परिभाषित कर रहे हैं। इसकी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नाटकीय टैरिफ नीति, वैश्विक समीकरणों और व्यवस्थागत नियमों में हुई ऐसी उथल-पुथल है, जो दूसरे विश्व युद्ध के बाद से चली आ रही विश्व व्यवस्था में पहले कभी नहीं देखी गई।

वैश्वीकरण के दौर में विश्व व्यापार बढ़कर 40 गुना से अधिक हो गया था जिसके कारण दुनिया के एक अरब से अधिक लोग गरीबी के दायरे से बाहर निकल सके, लेकिन इस दौर में उद्योग-धंधे अमेरिका और यूरोप छोड़कर एशियाई देशों में चले गए, जहां कच्चा माल और मज़दूरी सस्ती थी। इससे अमेरिका और यूरोप में कामगार बेरोजगार हुए और व्यापार घाटे भी बढ़े। ट्रंप इसी प्रक्रिया को पलटने के वादे पर चुनाव जीते थे। इसलिए उन्होंने सत्ता संभालते ही कुछ देशों पर भारी टैरिफ लगाने के साथ-साथ छोटे-बड़े सभी देशों पर टैरिफ लगा दिए। इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लगाया गया, ताकि विश्व व्यापार संगठन में चुनौती न दी जा सके। पिछले 70 वर्षों से मुक्त व्यापार की वकालत करते आ रहे देश ने 30 वर्ष लंबी गैट वार्ताओं के बाद बनी विश्व व्यापार की व्यवस्था को एक एलान से ध्वस्त कर दिया।

ट्रंप के टैरिफ युद्ध का प्रमुख निशाना चीन था, परंतु उसने अपने दुर्लभ खनिजों और औद्योगिक चुंबकों के ब्रह्मास्त्र से अपना बचाव कर लिया। भारत और ब्राजील इसके लिए तैयार नहीं थे। इसलिए दोनों पर सर्वाधिक ऊंचे 50 प्रतिशत टैरिफ लगे हैं। दिलचस्प बात यह है कि रूस पर युद्धविराम का दबाव डालने के लिए ट्रंप भारत पर रूसी तेल खरीदना बंद करने का दबाव डाल रहे हैं, जिसे वे दोस्त कहते हैं। जबकि रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार और प्रतिद्वंद्वी चीन से कुछ नहीं कहते। नाटो में अपने सहयोगी तुर्किये से कुछ नहीं कहते। अपने दोस्त हंगरी के नेता ओर्बान को खरीदने की छूट दे रहे हैं और खुद रूस से परमाणु ईंधन की खरीदारी जारी है। ट्रंप की अबूझ नीतियों के कारण यह साल 25 वर्षों से घनिष्ठ होते आ रहे भारत-अमेरिका रिश्तों पर संदेह और अनिश्चितता के साए का साल रहा।

इस नियमहीन धौंस की कूटनीति ने चीन, रूस और ब्राजील जैसी ब्रिक्स शक्तियों को डालर के बिना व्यापार करने के उपाय खोजने पर विवश किया। ये देश अब अपना अधिकांश व्यापार अपनी मुद्राओं में करने लगे हैं। रूस और चीन करीब 250 अरब डालर के व्यापार का 99.1 प्रतिशत अपनी मुद्राओं में करते हैं। भारत-रूस भी अपने व्यापार का 96 प्रतिशत अपनी मुद्राओं में करते हैं। चीन और ब्राजील भी आपसी व्यापार अपनी मुद्राओं में करने लगे हैं। आर्थिक प्रतिबंधों से बचने के लिए डालर मुक्त व्यापार नया नहीं है, पर ट्रंप की मनमानी और धौंस ने इसे नई गति दी है।

ट्रंप की नीतियों की अस्थिरता और अप्रत्याशितता ने सामरिक समीकरणों को भी उलटा-पलटा है। यूरोप के साथ अमेरिका के रिश्तों की बुनियाद सदियों पुरानी है। दूसरे महायुद्ध में यूरोप के जर्जर और कंगाल हो जाने के बाद अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी सामरिक और आर्थिक शक्ति बनकर उभरा था। इसलिए उसने अपने नेतृत्व में विश्व के लिए एक नई नियमबद्ध व्यवस्था बनाई जो उसके उदार लोकतंत्र, खुली स्पर्धा वाली आर्थिकी और कानून व्यवस्था के सिद्धांतों पर आधारित थी।

यूरोप उसका सामरिक साथी और वैचारिक प्रयोगशाला बना। यूरोप ने शीतयुद्ध के दौरान साम्यवादी एकदलीय तानाशाही के फैलाव को रोके रखा। सोवियत संघ से स्वतंत्र हुए पूर्वी यूरोप के देशों ने अमेरिका और यूरोप की व्यवस्था को केवल तेज आर्थिक विकास के लिए ही नहीं अपनाया था। उन्हें साम्यवादी तानाशाही से अपना अस्तित्व भी बचाना था और उम्मीद थी कि यूरोप और अमेरिका उनकी रक्षा करेंगे। ट्रंप यूक्रेन के बचाव की जगह पुतिन को खुश रखने के लिए जिस तरह उसकी जमीन और सुरक्षा का सौदा करने में लगे हैं, उसने इस भ्रम को भी तोड़ दिया है।

यूरोप को सबसे बड़ा धक्का ट्रंप की नई सुरक्षा नीति में पुतिन के हमले और तानाशाही की आलोचना की जगह अपनी आलोचना को पढ़कर लगा है। अमेरिकी सुरक्षा नीति कहती है कि लचर नीतियों के कारण यूरोप के कुछ देशों में कुछ ही दशकों के भीतर यूरोपीय सभ्यता लुप्त हो जाएगी, क्योंकि गैर-यूरोपीय बहुसंख्यक बन जाएंगे। इसलिए वह यूरोप में राष्ट्रवादी पार्टियों को सत्ता में देखना चाहती है। स्पष्ट है कि ट्रंप यूरोप को अब एक बोझ के सिवा कुछ नहीं मानते। दूसरी तरफ पुतिन का स्वागत वे महाशक्ति की तरह तालियां बजाकर करते हैं।देकर वे स्वयं स्वीकार करते हैं कि चीन अब बराबर की महाशक्ति है। अमेरिका की 'सभ्यतागत आत्महत्या' की संज्ञा दी है। उदार लोकतंत्र, खुली स्पर्धा और नियमबद्ध व्यवस्था जैसे आदर्शों को ताक पर रखकर ट्रंप तीन महाशक्तियों के दबदबे वाली दुनिया बनाने की राह पर हैं।

मुंबई महानगरपालिका : सत्ता का गणित, नेतृत्व की धार और विपक्ष का राजनीतिक अवसान

महाराष्ट्र की राजनीति अब किसी "अगर–मगर" या अनुमान के दौर में नहीं है। नगर निकाय चुनावों से मिले संकेतों ने यह साफ कर दिया है कि अगला और सबसे निर्णायक सत्ता-संग्राम मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में समाप्त होने जा रहा है—और उसका परिणाम लगभग पूर्वनिर्धारित है। देश की आर्थिक राजधानी की यह महानगरपालिका केवल एक नगर संस्था नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी है। जो मुंबई जीतता है, वही सत्ता की दिशा तय करता है। आज की वास्तविकता यह है कि मुंबई में मुकाबला सत्ता बनाम विपक्ष का नहीं, बल्कि संगठित महायुति बनाम बिखरा हुआ भ्रम बन चुका है। बीते नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का स्पष्ट रूप से नंबर-वन बनकर उभरना, शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी (अजित पवार गुट) का ठोस प्रदर्शन और कांग्रेस–यूबीटी जैसे दलों का लगातार राजनीतिक संकुचन—इन सबने मिलकर यह तय कर दिया है कि तथाकथित INDI गठबंधन अब केवल प्रेस विज्ञप्तियों और बयानबाज़ी तक सीमित रह गया है। ज़मीन पर न उसका संगठन बचा है, न नेतृत्व और न ही विश्वसनीयता।

महायुति की बढ़त किसी संयोग का परिणाम नहीं है। इसके पीछे स्पष्ट नेतृत्व, स्पष्ट दिशा और स्पष्ट निर्णय है। भाजपा की ओर से देवेंद्र फडणवीस, आशीष शेलार और अमित साटम की तिकड़ी—रणनीति, संगठन और ज़मीनी पकड़ का ऐसा संतुलन प्रस्तुत करती है, जो मुंबई जैसे जटिल महानगर में निर्णायक सिद्ध होता है। वहीं शिवसेना से एकनाथ शिंदे का व्यावहारिक और निर्णायक नेतृत्व तथा राष्ट्रवादी से अजित पवार की प्रशासनिक पकड़—महायुति को केवल चुनावी नहीं, बल्कि शासकीय विश्वसनीयता प्रदान करती है। रामदास आठवले की सहभागिता इस गठबंधन को सामाजिक विस्तार देती है। यदि राजनीति भावनाओं से नहीं, बल्कि अंकों और गणित से चलती है, तो बीएमसी का सीट-समीकरण विपक्ष की अंतिम उम्मीदों पर भी पानी फेर देता है। 227 सदस्यीय महानगरपालिका में महायुति ने जिस रणनीतिक परिपक्वता के साथ सीटों का बँटवारा किया है, उसने विपक्ष को चुनाव से पहले ही मानसिक रूप से पराजित कर दिया है। भाजपा लगभग 150 सीटों पर आक्रामक रूप से चुनाव लड़ रही है। शिवसेना (शिंदे गुट) करीब 50 सीटों पर मज़बूती से मैदान में है।

प्रोफ़ेसर डॉ. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा, मुंबई (महाराष्ट्र)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) 27–30 सीटों पर निर्णायक भूमिका में है, जबकि आरपीआई (आठवले) व अन्य सहयोगी दल 10–15 सीटों पर। इस प्रकार महायुति 200 से अधिक सीटों पर संगठित और समन्वित ढंग से चुनाव लड़ रही है। यह केवल जीत की योजना नहीं, बल्कि वर्चस्व की घोषणा है। इसके ठीक उलट विपक्ष का हाल यह है कि न सीटों पर सहमति है, न नेतृत्व पर और न ही मुंबई के लिए कोई साझा शहरी दृष्टि। कांग्रेस और यूबीटी गुट एक-दूसरे को नीचा दिखाने में व्यस्त हैं, जबकि मतदाता उनसे बहुत आगे निकल चुका है। यह चुनाव अब सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व बचाने का संघर्ष बन चुका है—और वह संघर्ष विपक्ष हार चुका है।

मुंबई का मतदाता अब भावनात्मक नारों, डर की राजनीति या अतीत की विरासत के नाम पर वोट देने वाला नहीं रहा। आज का शहरी मतदाता चाहता है—स्थिर सरकार, तेज़ निर्णय, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और ठोस विकास। मेट्रो, कोस्टल रोड, झुग्गी पुनर्विकास, ट्रैफिक नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाएँ और डिजिटल प्रशासन—इन मुद्दों पर जो दल सक्षम दिखता है, वही उसकी पसंद बनता है। इस कसौटी पर महायुति विपक्ष से मीलों आगे खड़ी है।

बीएमसी का बजट कई राज्यों से बड़ा है। ऐसे में उसका मेयर पद केवल औपचारिक कुर्सी नहीं, बल्कि नीति और संसाधनों की कमान है। यदि यह सत्ता ऐसे गठबंधन के हाथ में जाती है, जिसके पास राज्य और केंद्र—दोनों स्तरों पर सरकार है, तो निर्णय तेज़ होंगे, टकराव कम होगा और विकास की रफ़्तार बढ़ेगी। विपक्ष के पास इस सवाल का कोई उत्तर नहीं है।

तथाकथित INDI गठबंधन का टूटना कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक दिशाहीनता, नेतृत्वहीनता और आपसी अविश्वास का स्वाभाविक परिणाम है। मुंबई जैसे महानगर में केवल विरोध की राजनीति नहीं चलती—यहाँ प्रबंधन, अर्थशास्त्र और प्रशासन का संयुक्त खेल होता है, जिसमें विपक्ष पूरी तरह फेल साबित हुआ है।

निष्कर्ष एकदम साफ है। 16 जनवरी का फैसला केवल बीएमसी का परिणाम नहीं होगा, बल्कि वह महाराष्ट्र की शहरी राजनीति की दिशा तय करेगा। मौजूदा परिस्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि भाजपा-नेतृत्व वाली महायुति की जीत लगभग सुनिश्चित है। विपक्ष का सिमटना, नेतृत्व का स्पष्ट उभार और सीटों का निर्मम गणित—इन तीनों ने सत्ता की तस्वीर अंतिम रूप दे दिया है।

यही कारण है कि राजनीतिक गलियारों में यह बात अब फुसफुसाहट नहीं, बल्कि खुली चर्चा बन चुकी है कि 16 जनवरी को भाजपा को एक और दिवाली मिलने जा रही है—ऐसी दिवाली, जो केवल जीत की नहीं, बल्कि विपक्ष के राजनीतिक अवसान की प्रतीक होगी।

राम वी. सुतार के हाथों में आकर पत्थर बोल उठते थे

राम वी. सुतार का शतायु जीवन केवल वर्षों की गणना नहीं था, वह भारतीय मूर्ति-कला की सदियों लंबी साधना का सजीव विस्तार था। सौ वर्ष की उम्र में उनका जाना ऐसा है जैसे पत्थर बोलने वाली भाषा का कोई मौन हो जाना, जैसे हथौड़े और छैनी के बीच जन्म लेने वाली संवेदनाओं का विराम। वे उन विरले कलाकारों में थे जिनके हाथों में पत्थर, धातु और कांस्य केवल पदार्थ नहीं रहते थे, वे चेतना बन जाते थे। आकृतियां नहीं गढ़ी जाती थीं, जीवन प्रकट होता था। उनके स्पर्श से निर्जीव सजीव हो उठता था और शिल्प अपने भीतर मनुष्य की धड़कनें समेट लेता था। राम वी. सुतार केवल महान मूर्तिकार नहीं थे, वे एक दर्शन थे। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण था कि कला केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि मनुष्यता का विस्तार होती है। उन्होंने जब किसी महापुरुष की प्रतिमा गढ़ी, तो केवल चेहरे की रेखाएं नहीं उकेरीं, उस व्यक्तित्व के भीतर छिपे संघर्ष, संकल्प, करुणा और दृष्टि को आकार दिया। यही कारण है कि उनकी बनाई मूर्तियां देखने वाले को देखती हैं, मौन होकर भी संवाद करती हैं और समय की सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं।स्टैचू ऑफ यूनिटी आज विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के रूप में खड़ी है, पर उसकी ऊंचाई केवल फीट और मीटर में नहीं मापी जानी चाहिए। उसमें सरदार पटेल की लौह इच्छाशक्ति के साथ-साथ राम वी. सुतार की तपस्या, धैर्य और अंतर्दृष्टि समाहित है। यह प्रतिमा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय मूर्ति-कला की सामर्थ्य का वैश्विक घोष है। संसद परिसर में स्थापित गांधी प्रतिमा हो या देश-विदेश में फैली अनगिनत मूर्तियां, हर जगह उनकी कला ने इतिहास को वर्तमान से जोड़ा है और वर्तमान को भविष्य के लिए अर्थवान बनाया है। उनके हाथों में पत्थर बोलने लगते थे, पर उनके हृदय में मनुष्य बोलता था। वे जानते थे कि किसी नेता, संत या विचारक की प्रतिमा बनाते समय केवल शारीरिक समानता पर्याप्त नहीं होती। वहां आत्मा की समानता चाहिए। इसलिए वे पहले उस व्यक्तित्व को पढ़ते थे, समझते थे, आत्मसात करते थे। उनकी साधना में अध्ययन, ध्यान और संवेदना का अद्भुत संगम था। शायद यही कारण था कि उनकी कारीगरी में बारीकी के साथ-साथ एक ऐसी जीवंतता थी जो दर्शक को भीतर तक छू लेती थी।राम सुतार जी एक सौ एक साल के थे और उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका जन्म 19 फ़रवरी 1925 को महाराष्ट्र में धूलिया ज़िले के गोन्दुर गाँव में एक ग़रीब परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम राम वनजी सुतार था। वे भारत के सुप्रसिद्ध शिल्पकार थे। उनके द्वारा बनाई गईं महात्मा गांधी की प्रतिमाएं अब तक विश्व के तीन सौ से अधिक शहरों में लग चुकी हैं। उनके कलात्मक एवं अनूठे शिल्प साधना को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1999 में पद्मश्री और 2016 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। अक्टूबर 2018 में, सुतार को 2016 के सांस्कृतिक सद्भाव के लिए टैगोर पुरस्कार मिला। उनके पिता वनजी हंसराज जाति व कर्म से बढ़ई थे। राम सुतार का विवाह 1952 में प्रमिला के साथ हुआ। जिनसे उन्हें 1957 में एकमात्र पुत्र अनिल राम सुतार हुआ, जो पेशे से वास्तुकार हैं परन्तु अब वह भी नोएडा स्थित अपने पिता के स्टूडियो व कार्यशाला की देखरेख का कार्य करते हैं।राम वी. सुतार का जीवन सादगी का पर्याय था। इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उनमें कोई दर्प नहीं था। वे शिल्प के साधक थे, शोर के नहीं। उनका कार्य बोलता था, वे स्वयं मौन में रहकर भी सब कुछ कह जाते थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्ची महानता प्रचार की मोहताज नहीं होती। वह अपने आप में पूर्ण होती है और समय उसे पहचान ही लेता है। उनकी कला में भारतीय परंपरा की गहरी जड़ें थीं, पर दृष्टि पूरी तरह आधुनिक और वैश्विक थी। वे अतीत से प्रेरणा लेते थे, वर्तमान की ज़रूरतों को समझते थे और भविष्य के लिए रूप गढ़ते थे। यही कारण है कि उनकी मूर्तियां किसी एक काल में बंद नहीं होतीं। वे हर युग में प्रासंगिक लगती हैं। उनमें इतिहास की गरिमा है, वर्तमान की चेतना है और भविष्य की उम्मीद भी।राम सुतार अपने गुरु रामकृष्ण जोशी से प्रेरणा लेकर मुम्बई गये, जहाँ उन्होंने जे०जे०स्कूल ऑफ़ आर्ट में दाखिला लिया। 1953 में इसी स्कूल से मॉडलिंग में उन्होंने सर्वोच्च अंक अर्जित करते हुए मेयो गोल्ड मेडल

हासिल किया। मॉडलर के रूप में औरंगाबाद के आर्कियोलोजी विभाग में रहते हुए राम सुतार ने 1954 से 1958 तक अजन्ता व एलोरा की प्राचीन गुफ़ाओं में मूर्तियों के पुनर्स्थापन का कार्य किया। 1958-1959 में वह सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के दृश्य श्रव्य विभाग में तकनीकी सहायक भी रहे। 1959 में उन्होंने अपनी मर्ज़ी से सरकारी नौकरी त्याग दी और पेशेवर मूर्तिकार बन गये। इन दिनों वह अपने परिवार के साथ नोएडा में निवास करते थे। राम सुतार ने वैसे तो बहुत-सी मूर्तियाँ बनायीं है, किन्तु उनमें से कुछ उल्लेखनीय मूर्तियों में 45 फ़ुट ऊँची चम्बल देवी की मूर्ति गंगासागर बाँध, 17 फ़ुट ऊँची मोहनदास कर्मचन्द गाँधी की मूर्ति गाँधीनगर, गुजरात, 21 फ़ुट ऊँची महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति अमृतसर, 18 फ़ुट ऊँची सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति संसद भवन, नई दिल्ली, 9 फ़ुट ऊँची भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति जम्मू, भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा की आवक्ष प्रतिमा, ब्रह्म सरोवर में कृष्ण अर्जुन रथ स्मारक कांस्य प्रतिमा आदि हैं। गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' राम सुतार के अद्भुत कला-कौशल का नमूना है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है जिसने देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भारतीय कला परंपरा का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी बनाई मूर्तियां आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के महापुरुषों से जोड़ती रहेंगी। अनेक राजनेताओं, कलाकारों और विचारकों ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए स्वीकार किया कि राम वी. सुतार का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का अवसान है। पर शायद स्वयं राम वी. सुतार इस तरह की श्रद्धांजलियों से अधिक अपने काम में विश्वास रखते थे। उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान यही था कि कोई उनकी बनाई मूर्ति के सामने खड़ा होकर कुछ क्षण मौन में डूब जाए, कुछ सोचने लगे, कुछ महसूस करने लगे। उन्होंने जीवन को भी उतना ही जीवंत बनाया जितना अपनी कला को। उनका व्यक्तित्व सहज, सरल और आत्मीय था। वे जहां भी गए, वहां प्रेरणा का एक शांत स्रोत बन गए।राम सुतार का जीवन शिल्प एवं कला की पाठशाला था, जिसमें उन्होंने यह भी सिखाया कि कला केवल तकनीक नहीं, साधना है। छैनी चलाने से पहले मन को तराशना पड़ता है। दृष्टि को निर्मल करना पड़ता है। शायद यही कारण था कि उनकी शतायु यात्रा के अंतिम क्षण तक उनकी सृजनात्मक ऊर्जा बनी रही। उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी, कला के प्रति उनकी जिजीविषा कभी वृद्ध नहीं हुई। आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो यह विदाई वास्तव में विदाई नहीं है। वे अपनी मूर्तियों में, अपने शिल्प में, अपनी संवेदनाओं में सदा उपस्थित रहेंगे। जब भी संसद परिसर में गांधी की प्रतिमा के सामने कोई सिर झुकाएगा, जब भी स्टैचू ऑफ यूनिटी के साये में कोई राष्ट्र की एकता को महसूस करेगा, राम वी. सुतार वहां होंगे। पत्थर के भीतर धड़कते हृदय की तरह, मौन में बोलती चेतना की तरह। उनका जीवन इस बात की साक्षी है कि एक साधारण मनुष्य भी अपनी साधना, संकल्प और संवेदना के बल पर महामानव बन सकता है। उन्होंने पत्थर को जीवन दिया, पर उससे भी बड़ा कार्य उन्होंने यह किया कि जीवन को अर्थ दिया। भारतीय मूर्ति-कला के इस शीर्ष पुरुष को विनम्र श्रद्धांजलि।ता है कि हम कला, संस्कृति और मनुष्यता के इस दीप को बुझने न दें।

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि 'एकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकी', 'युवा-नेतृत्व वाली एकजुटता' और 'सतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटता' जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब "सभी मानव पहले मानव" की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।भारतीय चिंतन ने सदियों पहले "वसुधैव कुटुम्बकम्" का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक

सपना बनी रहेगी।आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज़ को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है।संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया।मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हों, पूजा-पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है।हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा।एकजुटता ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है।

पूर्वी यूपी के सात जिलों को मिलाकर गठित होगा काशी-विंध्य क्षेत्र, ये जिले शामिल

लखनऊ । राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) की तर्ज पर सरकार ने काशी-विंध्य क्षेत्र (केवीआर) का गठन करने का फैसला किया है। इसमें वाराणसी और विंध्याचल मंडल के सात जिले वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, मिर्जापुर, भदोही और सोनभद्र शामिल होंगे। सभी संबधित जिलों को एक आर्थिक गतिविधियों के जोन के तौर पर विकसित किया जाएगा। केवीआर के गठन को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।

प्रस्ताव के मुताबिक केवीआर के गठन से पूर्वांचल के इन सात प्रमुख जिलों के विकास में तेजी आएगी।

इसके गठन के बाद काशी-विंध्य क्षेत्र में आने वाले जिलतों में गुणवत्ता पूर्ण नागरिकों को सुविधाएं दी जाएंगी। इससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा और सुनियोजित विकास के साथ रोजगार का रास्ता खुलेगा। काशी-विंध्य क्षेत्र की मौजूदा आबादी दो करोड़ के आसपास बताई जा रही है।

इसके विकास से सरकार पर कोई भार नहीं आएगा। काशी विंध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण का दायरा

23815 वर्ग किलोमीटर होगा। वाराणसी का क्षेत्रफल 1535 वर्ग किलोमीटर है, जौनपुर 4038, चंदौली 2541, गाजीपुर 3377, मिर्जापुर 4521, भदोही 1015 और सोनभद्र 6788 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल है।

इन सात जिलों में सर्वाधिक क्षेत्रफल सोनभद्र का है, जबकि सबसे कम चंदौली है। नीति आयोग ने काशी और विंध्य क्षेत्र के सतत विकास के लिए अपने सुझाव सरकार को दिए हैं।

सीएम होंगे अध्यक्ष, प्रमुख सचिव सीईओ

प्रस्ताव के मुताबिक केवीआर के कार्यकारी समिति (एग्जीक्यूटिव बॉडी) के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे, जबकि प्रमुख सचिव आवास इसके मुख्य कार्यकारी आधिकारी (सीईओ) होंगे।

जबकि वाराणसी के मंडलायुक्त सदस्य सचिव और विंध्याचल के कमिश्नर सदस्य होंगे। इसके अलवा इसमें हर क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी सदस्य नामित किया जाएगा।

केवीआर ही देगा मास्टर प्लान को मंजूरी

केवीआर के जरिए ही संबंधित सभी सात जिलों के सुनियोजित विकास का मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा।

इसकी मंजूरी भी केवीआर के स्तर से ही दी जाएगी। अब इसके लिए शासन से मंजूरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक-दो दिन के भीतर ही केवीआर के गठन की अधिसूचना जारी की जाएगी।

योगी सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को दिये 423.80 करोड़

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए बड़ी रकम आवंटित की। अनुपूरक बजट से सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को विस्तार मिलेगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ेगी।

योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश अनुपूरक बजट में चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को बड़ी प्राथमिकता दी है। प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कुल 423.80 करोड़ रुपये की धनराशि का आवंटन किया गया है। यह बजट आवंटन प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

एसजीपीजीआई लखनऊ को दिये 120 करोड़

योगी सरकार ने अनुपूरक बजट में प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को वेतन अनुदान, गैर-वेतन अनुदान, व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं तथा विभिन्न मदों के लिए अतिरिक्त धनराशि दी गई है।

ब्लूचिप का भारत की दो कंपनियों से मिला कनेक्शन, दुबई के एक एनआरआई ने ढाई करोड़ ठगने की शिकायत की

दुबई के एक एनआरआई ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से ढाई करोड़ ठगने की शिकायत की है। दो भारतीय कंपनियों के खाते में 1.90 करोड़ रुपये भेजे थे। बाकी ब्लूचिप कंपनी के खाते में गए।

कई देशों के 700 से अधिक लोगों से करीब 1500 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोपी रविंद्रनाथ सोनी की ब्लूचिप व अन्य कंपनियों का भारतीय कनेक्शन मिल गया है। सोमवार को दुबई के एनआरआई ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल को ढाई करोड़ रुपये की ठगी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1.90 करोड़ रुपये कंपनी के रिलेशनशिप मैनेजर अभिषेक सिंघल ने भारत की दो कंपनियों के खाते में डलवाए थे। पुलिस और एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। इन दोनों कंपनियों को नोटिस भेजने की तैयारी है।

दुबई के इंजीनियर एस चौहान के मुताबिक उनके पास ब्लूचिप कंपनी से कई कॉल आई। उन्हें निवेश के बाद तीन प्रतिशत मुनाफे के बारे में बताया गया, जिसका सालाना फायदा 36 फीसद होता है। उनको रिलेशनशिप मैनेजर अभिषेक सिंगल ने स्कीम बताई थी। उन्हें एक बड़े प्रमोशनल कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया, जिसमें सोनू सूद, खली, मिस इंडिया जैसे अन्य सेलिब्रिटी शामिल हुए थे। उनकी मुलाकात पांच से छह बार रविंद्रनाथ सोनी से भी हुई थी। एस चौहान ने बताया कि अभिषेक सिंगल ने निवेश के 1.32 करोड़ ब्रह्मांड इंटरप्राइजेज और 58 लाख रुपये नादिया पॉलिमर्स के खाते में डलवाए। यह राशि उन्होंने इंदौर से ट्रांसफर की। इसके बाद 60 लाख रुपये ब्लूचिप कंपनी के बताए खाते में डाल दिए। उन्होंने एक सितंबर से दिसंबर 2023 के बीच निवेश किया था। करीब ढाई माह में उनको 25 लाख रुपये मुनाफे के भी दिए गए थे। ब्रह्मांड इंटरप्राइजेज का खाता आईसीआईसीआई और नादिया पॉलिमर्स का आईडीबीआई बैंक में था। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि एस चौहान के मामले से देश में कई और कंपनियों के ब्लूचिप व उसकी सहयोगी कंपनियों से जुड़ने की आशंका है। ब्रह्मांड इंटरप्राइजेज और नादिया पॉलिमर्स को नोटिस भेजा जाएगा। उनसे जानकारी जुटाई जाएगी कि उनके खाते में इतनी राशि क्यों जमा कराई गई। पूर्व में किसी और एनआरआई के रुपये तो नहीं लिए गए। ढाई करोड़ रुपये देने के बदले दिए थे 13 चेक

एस चौहान ने ढाई करोड़ रुपये दिए थे। यह राशि उन्होंने अलग अलग अंतराल में दी थी, जिसके बदले में उनको नौ चेक दिए गए थे। इन चेक में छह महीने, 12 महीने और 18 महीने में मिलने वाले ब्याज की राशि लिखी हुई थी। इन चेक को वहां के एमिरेट्स एनबीडी बैंक में लगाया, लेकिन सभी बाउंस हो गए। एस चौहान की पत्नी ने बताया कि उन लोगों ने वहां की पुलिस से शिकायत की थी, जिसकी जांच चल रही है।

साली के प्यार में जीजा मोबाइल टावर पर चढ़ा, चार घंटे बाद उतरा

औरैया। सहार थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब साली के प्यार में पागल बताए जा रहे एक युवक ने गांव के बाहर लगे मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा शुरू कर दिया। घटना सुबह करीब 9:30 बजे की है। युवक की पहचान शहरुद्दीन उर्फ शेरा पुत्र अब्दुल हमीद उम्र लगभग 30 वर्ष के रूप में हुई है। बताया गया कि उसने खुद 112 पर सूचना दी थी कि वह स्वयं अपनी साली अंजली पुत्री रसीद

खां, निवासी पिपरौली, थाना बेला क्षेत्र से प्रेम संबंध को लेकर मानसिक रूप से परेशान था।

परिजनों के अनुसार शहरुद्दीन की शादी रूबी से हुई है, जिससे उसका दो वर्ष का एक बेटा असद है। पत्नी और बच्चा घर पर ही रहते हैं। युवक के पिता अब्दुल हमीद ने बताया कि शहरुद्दीन काफी समय से घरवालों को परेशान कर रहा था और आए दिन विवाद करता रहता था। सोमवार सुबह अचानक वह घर से निकलकर गांव के बाहर स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया और नीचे उतरने से इनकार करने लगा।

टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सहार थाना प्रभारी रमेश सिंह, उप निरीक्षक अब्दुल सत्तार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एहतियातन फायर ब्रिगेड और 108 एंबुलेंस को भी बुलाया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने युवक को समझाने-बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह किसी की बात मानने को तैयार नहीं था और लगातार साली को बुलाने की जिद करता रहा।

लगभग चार घंटे तक चले ड्रामे के बाद पुलिस ने बेला थाना क्षेत्र से युवक की साली अंजली को मौके पर बुलवाया।

यूपी में ईको पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास को मिलेगा नया आयाम, अनुपूरक बजट में रखा प्रस्ताव

लखनऊ । अनुपूरक बजट में ईको पर्यटन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 10 लाख रुपये और प्राकृतिक स्थलों, वन क्षेत्रों और ग्रामीण पर्यटन में सुविधाओं का विकास करने के लिए, उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म विकास बोर्ड को 1 करोड़ रुपये की राशि प्रदान करने का प्रस्ताव रखा गया है साथ ही कई अन्य घोषणाएं की गई हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने अनुपूरक बजट में पर्यटन, कला, संस्कृति को बढ़ावा देने और धार्मिक स्थलों का विकास करने पर विशेष ध्यान दिया है। वित्त मंत्री ने मंगलवार को विधान सभा में अनुपूरक बजट पेश करते हुए यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड के लिए 1 करोड़ रुपये तथा अन्य पर्यटन सुविधाओं का विकास करने के लिए 5 करोड़ रुपये की मांग की गई है।

साथ ही श्री सोरों और श्री कल्कि धाम व अन्य तीर्थ स्थलों में विकास कार्यों को गति देने के लिए 10 करोड़ रुपये के अनुदान का प्रस्ताव रखा है। लोक कलाकारों को वाद्ययंत्रों की खरीद के लिए 5 करोड़ रुपये और राज्य पुरातत्व निदेशालय छतर मंजिल, लखनऊ के रेस्टोरेशन के लिए 3 करोड़ 44 लाख रुपये का प्रस्ताव रखा गया है।

ईको पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास पर विशेष जोर

विधान सभा में पेश किए गए अनुपूरक बजट में ईको पर्यटन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 10 लाख रुपये और प्राकृतिक स्थलों, वन क्षेत्रों और ग्रामीण पर्यटन में सुविधाओं का विकास करने के लिए, उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म विकास बोर्ड को 1 करोड़ रुपये की राशि प्रदान करने का प्रस्ताव रखा गया है। साथ ही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पर्यटन, यात्री सुविधा एवं संस्थागत विकास से जुड़े कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये की आवश्यकता व्यक्त की गई है। श्री सोरों तीर्थ, कासगंज और श्री कल्कि धाम, संभल क्षेत्र सहित अन्य धार्मिक स्थलों में पर्यटन संबंधी अवसंरचना सुविधाओं के विकास करने के लिए विशेष रूप से 10 करोड़ रुपये अनुदान का प्रस्ताव रखा गया है। इस राशि से तीर्थ क्षेत्रों में सड़क, प्रकाश व्यवस्था, सूचना केंद्र, शौचालय, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। साथ ही जनपद, ब्लाक मुख्यालयों पर हेलीपैड की सुविधा का विकास करने के लिए 10 करोड़ रुपये का अनुदान मांगा गया है।

सार्वजनिक रामलीला स्थल और लोक कलाकारों के लिए अनुपूरक मांग

प्रदेश में कला, संस्कृति के विकास के लिए भी अनुपूरक मांगे रखी गई हैं। इसके तहत लोक कलाकारों को सहयोग और वाद्ययंत्रों की खरीद के लिए 5 करोड़ रुपये, साथ ही सार्वजनिक रामलीला स्थलों के रख-रखाव के लिए प्रतीकात्मक रूप से 1 लाख रुपये की मांग की गई है।

वहीं प्रदेश में संग्रहालयों के संरक्षण और क्यूरेशन के लिए 1 लाख रुपये और राज्य पुरातत्व निदेशालय छतर मंजिल, लखनऊ के रेस्टोरेशन के लिए 3 करोड़ 44 लाख रुपये की मांग की गई है।

साथ ही संजीवनी माध्यमिक विद्यालय की स्थापना के लिए आवास निर्माण कार्य हेतु 1 लाख रुपये की मांग की गई है। सरकार के ये प्रयास प्रदेश में पर्यटन, ईको टूरिज्म को नया आयाम प्रदान करेंगे साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्राप्त होगी।

25 दिसंबर को शहर आएंगे पीएम मोदी, ट्रैफिक व्यवस्था में हुआ बड़ा बदलाव; इन रास्तों पर होगी नो एंट्री

लखनऊ । 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने राजधानी आ रहे हैं। कार्यक्रम के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन जारी किया है।25 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने राजधानी आ रहे हैं। कार्यक्रम के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन जारी किया है। 24 दिसंबर की रात 12 बजे से बृहस्पतिवार को कार्यक्रम की समाप्ति तक यातायात बदला रहेगा। इमरजेंसी की स्थिति में प्रतिबंधित मार्ग पर एंबुलेंस, फायर सर्विस, स्कूली वाहन, शव वाहन को रास्ता दिया जाएगा।

आंतरिक डायवर्जन

- मलिहाबाद चौराहे से बाजनगर किसान पथ, छंदोईया की ओर भारी या अन्य वाहन नहीं जा सकेंगे। इन्हें जीरो पॉइंट मोहान रोड होकर जाना होगा।

- मुंजासा तिराहे से बाजनगर किसान पथ, छंदोईया की ओर वाहन नहीं जाएंगे। ये वाहन जीरो पॉइंट मोहान रोड होकर जा सकेंगे।

- बाजनगर किसान पथ अंडरपास से छंदोईया बाईपास तिराहे की ओर वाहन नहीं जा सकेंगे। ये वाहन बाजनगर किसान पथ अंडरपास से किसान पथ होकर जाएंगे।

- कसमंडी (हमसफर लॉन) अंडरपास से अंधे की चौकी तिराहे की ओर वाहन नहीं जाएंगे। इन्हें किसानपथ होकर जाना होगा।

- छंदोईया बाईपास तिराहे से कार्यक्रम स्थल, भिठौली तिराहे की तरफ वाहन नहीं जा सकेंगे। ये वाहन अंधे की चौकी तिराहे, बाजनगर किसान पथ अंडरपास से किसान पथ या दुबग्गा तिराहे होकर जाएंगे।

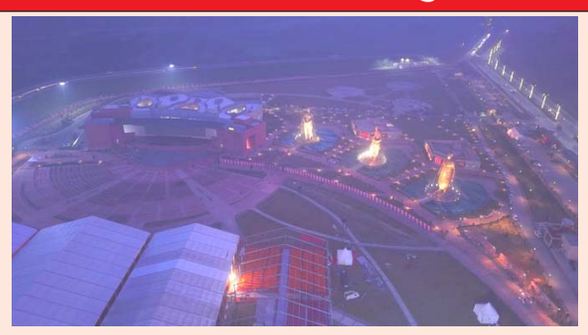

- तिकोनिया तिराहे से दुबग्गा तिराहे, छंदोईया बाईपास तिराहे की तरफ भारी वाहन नहीं जाएंगे। ये वाहन नहर तिराहे मोहान रोड, खुशहालगंज बाजार होते हुए खुशहालगंज किसान पथ अंडरपास से किसानपथ होकर जाएंगे।

- भिठौली तिराहे से कार्यक्रम स्थल, छंदोईया बाईपास तिराहे की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। इन्हें सैरपुर तिराहे, अस्ति क्रासिंग, बख्शी का तालाब होकर इंदौराबाग अंडरपास से किसान पथ या इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे से होकर जाना होगा।

- नया पक्कापुल तिराहे, कुड़ियाघाट तिराहे से कार्यक्रम स्थल, घैला तिराहे की ओर वाहन नहीं जाएंगे। इन्हें रूमी गेट, कोनेश्वर चौराहे, बालागंज चौराहे, दुबग्गा तिराहे से होकर जाना होगा।

- दुबग्गा तिराहे से वाहन छंदोईया या सीतापुर बाईपास की तरफ नहीं जाएंगे। इन्हें तिकोनिया तिराहे से होकर जाना होगा।

- नहरपुल तिराहे से वाहन बुद्धेश्वर की तरफ नहीं जाएंगे। इन्हें जीरो पॉइंट या किसान पथ के ऊपर से होकर जाना होगा।

कुछ ऐसा रहेगा बाहर से आने वाले वाहनों का डायवर्जन

- कानपुर की तरफ से आने वाले भारी वाहन अंबेडकरनगर, बस्ती, संत कबीरनगर, गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ समेत अन्य जिलों की ओर जाने के लिए कानपुर, फतेहपुर, लालगंज, बछरांवा, हैदरगढ़, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होकर जाएंगे।

- उन्नाव की तरफ से आने वाले भारी वाहन उन्नाव के दही चौकी से पुरवा, मौरावां, बछरावां, हैदरगढ़, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होकर जा सकेंगे। इसके अलावा उन्नाव (ललऊखेड़ा) से बीघापुर लालगंज, गुरुबक्शगंज, बछरावां से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होकर भी जा सकेंगे।

- सीतापुर की तरफ से आने वाले भारी वाहन चाहलारी होते हुए बहराईच से गोंडा व बलरामपुर होकर जा सकेंगे।

- हरदोई की तरफ से आने वाले भारी वाहन बघौली, बांगरमऊ, उन्नाव (ललऊखेड़ा), बीघापुर लालगंज, गुरुबक्शगंज, बछरांवा से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होकर जा सकेंगे।

- सुल्तानपुर रोड / हैदरगढ़ (जनपद बाराबंकी) की तरफ से आने वाले भारी वाहन हैदरगढ़ से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होकर जाएंगे।

- रायबरेली रोड की तरफ से आने वाले भारी वाहन बछरावां से हैदरगढ़ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जाएंगे।

माघ मेले की तैयारियां हुईं तेज, द्वारका पीठ के शंकराचार्य के शिविर के लिए हुआ भूमि पूजन

माघ मेले में संत महात्माओं के शिविरों के लिए भूमि पूजन तेजी से चल रहा है। सोमवार को शुभ मुहुर्त में द्वारका पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती के शिविर के लिए भूमि पूजन महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी की देखरेख में किया गया। इसी तरह श्री मठ बाघंबरी गद्दी के शिविर के लिए भूमि पूजन श्री बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरि जी महाराज ने किया। संगम की रेती पर माघ मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मठ और आश्रमों के शिविरों को लगाने का कार्य तेज हो गया है। मेला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के शिविर के लिए भी भूमि पूजन हो चुका है। सोमवार को द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के शिविर के लिए भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच किया गया। इस मौके पर श्री मनकामेश्वर मंदिर के महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी, महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव यमुनापुरी समेत बड़ी संख्या में संत मौजूद रहे।श्रीधरानंद ब्रह्मचारी ने कहा कि माघ मेले में देशभर से श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने के लिए आते हैं। शंकराचार्य का शिविर यहां पर लगाया गया है, ताकि लोग उनका दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकें।

यूपी के जिले में पहली से आठवीं तक के सभी स्कूल बंद, ठंड के कारण DM ने जारी किया आदेश

शाहजहांपुर। ठंड की स्थिति को देखते हुए जिले के समस्त सरकारी और निजी विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं के लिए मंगलवार को अवकाश रहेगा।

यूपी के शाहजहांपुर में सोमवार को सुबह घने कोहरा के साथ गलन से ठिठुरन बढ़ गई। दिन में धूप निकलने से लोगों को राहत मिली, लेकिन शाम होते-होते सर्द हवा और गलन ने लोगों को कांपने पर मजबूर कर दिया। मंगलवार को भी घना कोहरा छाने का अनुमान है। कड़ाके की सर्दी को देखते हुए कक्षा एक से आठ के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित कर दिया गया है। इस संबंध में डीएम ने शाम को आदेश जारी किया। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे धूप निकली तो लोगों को राहत मिली। अधिकतर लोग धूप सेंकते नजर आए। दिन में दो बजे के बाद धूप हल्की हो गई। शाम चार बजे तक सर्द हवा चलने लगी। इससे लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। गन्ना शोध संस्थान के मौसम वैज्ञानिक डॉ. मनमोहन सिंह ने बताया कि सोमवार को अधिकतम तापमान 18.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रविवार को अधिकतम तापमान 18.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। अधिकतम तापमान में 0.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई। न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी हुई। उन्होंने बताया कि वायुदाब सात मिलीबार गिरा हुआ है और पूर्वी हवा चल रही है। इससे कोहरा का प्रकोप बढ़ेगा और तापमान में गिरावट होने का अनुमान है।

मंगलवार को बंद रहेंगे स्कूल

ठंड की स्थिति को देखते हुए जिले के समस्त सरकारी और निजी विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं के लिए मंगलवार को अवकाश रहेगा। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सर्दी के कारण बच्चों के हित में यह फैसला किया गया है।

अखिलेश का सीएम योगी पर पलटवार, बोले- 'आत्म स्वीकृति'...उम्मीद नहीं थी

लखनऊ । सीएम योगी के बयान पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर पलटवार किया। उन्होंने इसे 'आत्म-स्वीकृति' बताते हुए मर्यादा की बात कही।

सीएम योगी के बयान पर अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए एक्स पर पोस्ट की। जिसमें लिखा- 'आत्म-स्वीकृति'...किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग मर्यादा की सीमा न लांघें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातानी को चौराहे पर न लाएं। कहीं कोई बुरा मान गया तो वापस जाना पड़ेगा।

दरअसल, यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सीएम योगी ने कफ सिरप मामले में अपनी बात रखी। प्रश्न क्या है, मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं। पूरा अध्ययन करके आना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कोडीन के मुद्दे को उठाया है, लेकिन मैं आपकी इस मजबूरी को समझता हूं। एक कहावत है- चोर की दाढ़ी में तिनका। उन्होंने नाम लिए बिना कहा-

देश के अंदर दो नमूने हैं, एक दिल्ली में और एक लखनऊ में बैठते हैं। जब देश में कोई चर्चा होती है तो वो देश छोड़कर चले जाते हैं। मुझे लगता है कि यही आपके बउआ के साथ भी होता है। वह फिर इंग्लैंड सैर सपाटे पर चले जाएंगे और आप यहां चिल्लाते

रहेंगे।

सीएम ने आगे कहा, अमित यादव और मिलिंद यादव के पत्नी के खातों से शुभम के खाते से बैंक ट्रांजेक्शन भी आए हैं। आलोक सिपाही पक्का सपाई है। अखिलेश यादव को गिफ्ट देते उसकी फोटो भी है। अपराधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब कार्रवाई होगी तो आप लोग (सपा के लोग) ही फातिया पढ़ने जाएंगे। लेकिन, हम वह भी मौका नहीं देंगे।

समाजवादी पार्टी के लोगों का पढ़ाई-लिखाई से कोई वास्ता नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे हों या एडल्ट, बिना चिकित्सीय परामर्श के कोई भी इसका सेवन नहीं कर सकता। खांसी होने पर हर कोई कफ सिरप लेता है, लेकिन चिकित्सीय परामर्श से। उस पर यह अंकित भी होता है, लेकिन समाजवादी पार्टी के लोगों का पढ़ाई-लिखाई से कोई वास्ता है नहीं, इसलिए आप लोग ऐसी बाते करते हैं।

सीएम योगी ने सदन में कहा कि उत्तर प्रदेश में यूपी के सबसे बड़े होलसेलर को एसटीएफ ने पकड़ा था। 2016 में समाजवादी पार्टी ने उसे लाइसेंस जारी किया था। सीएम ने कहा कि देश में दो नमूने हैं।

भिवंडी में 19 वर्षीय छात्रा से छेड़छाड़ और मारपीट, युवक पर केस दर्ज

पुरानी रंजिश के चलते घर के सामने किया हंगामा, जान से मारने की धमकी

भिवंडी। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

शांतीनगर इलाके में एक 19 वर्षीय छात्रा के साथ गाली-गलौज, धमकी और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में शांतीनगर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता एक कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। 21 दिसंबर की शाम करीब 6:30 बजे आरोपी इरफान मकसूद अहमद अंसारी पीड़िता के घर के सामने आया और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद करने लगा। आरोप है कि आरोपी ने पुलिस में शिकायत करने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने छात्रा का कॉलर पकड़कर धक्का-मुक्की की और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ अभद्रता की। इतना ही नहीं, आरोपी ने छात्रा की छाती पर हाथ मारते हुए मारपीट की। घटना के दौरान पीड़िता की बहन और परिवार के अन्य सदस्यों को भी आरोपी ने धमकाया।आरोप है कि आरोपी ने कहा कि अगर पुलिस में शिकायत की तो जान से मार देगा। घटना के बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर शांतीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, धमकी और अपमान करने की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी की भूमिका की जांच कर रही है और मामले की छानबीन जारी है।

भिवंडी मनपा चुनाव को लेकर मनपा आयुक्त सहित संबंधित सभी विभाग के अधिकारियों की बैठक संपन्न

भिवंडी। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

मनपा आयुक्त और मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनमोल सागर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मनपा के आम चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में कराने के लिए चुनाव तंत्र तैयार है। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे, उपमंडल अधिकारी अमित सानप, अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके, नयना ससाने, उपायुक्त विक्रम दराडे, बालकृष्ण क्षीरसागर और अन्य निर्वाचन निर्णय अधिकारी उपस्थित थे। इस समय तक सात निर्वाचन निर्णय अधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है और उन्हें वार्ड आवंटित किए जा चुके हैं। निर्वाचन निर्णय अधिकारी 1 शशिकांत गायकवाड़ का कार्यालय मिल्लत नगर फरहान हॉल में है। यहां वार्ड 3, 4, 10 आते हैं। निर्वाचन निर्णय अधिकारी 2 हर्षलता गेदम का कार्यालय भादवाड़ संपदा नाईक हॉल के भूतल पर है। यहां वार्ड 9, 11, 12 आते हैं। निर्वाचन निर्णय अधिकारी 3 स्वरूप कंकाल का कार्यालय भादवाड़ संपदा नाईक हॉल के प्रथम तल पर है। यहां वार्ड आते हैं।पहली मंजिल यहाँ है। वार्ड यहाँ 13,14,15,16आते हैं ।चुनाव निर्णय अधिकारी 4 गोविंद खामकर का कार्यालय, कामतघर वराला।देवी माता बहुउद्देशीय हॉल, भूतल में वार्ड 17, 21, 22, 23 के लिए चुनाव परिणाम स्थल पर घोषित किए जाएंगे।अधिकारी 5 एजाज अहमद के कार्यालय का धोबी तालाब स्थित अल्हाज शाह मोहम्मद ऑडिटोरियम बेस के स्थान पर वार्ड 18, 19 और 20 के चुनाव होंगे।निर्णय अधिकारी 6 अमित सानप का कार्यालय कोम्बाडपाडा स्व राजैय्या गजंगी बहुउद्देशीय हॉल, भूतल, वार्ड 1, 6, 7 चुनाव निर्णय अधिकारी 7 महेश हरिश्चंदे उनका कार्यालय कोम्बाडपाड़ा स्वर्गीय राजय्या गाजँगी हाल में है कुल वार्ड 2,58, कुल मतदाता - 6,69,033, पुरुष मतदाता - 3,80,623, महिला मतदाता - 2,88,097 अन्य मतदाता - 313, कुल मतदान केंद्र -750 मतदान मशीनें, 820 मतपत्र इकाइयाँ, 1640 मतदान केंद्रों पर 4590 कर्मचारी,अधिकारी कर्मचारी के रूप में नियुक्त आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है।जिम्मेदारी का कार्य अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके को सौंपा गया है। वार्डवार आचार संहिता की छह धाराएँ, 5 और मुख्य धारा 1, प्रस्तावित की जा रही हैं।टीम, वीडियो वीविंग टीम, स्थैतिक सर्वेक्षण पुलिस टीम, वीडियो निगरानी टीम और मतदान जागरूकता टीम तैनात कर दी गई है। आयुक्त अनमोल सागर ने बताया कि प्रत्येक चुनाव निर्णय अधिकारी के क्षेत्र में एक महिला गुलाबी मतदान केंद्र और एक प्रायोगिक मतदान केंद्र स्थापित किया जाएगा। पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने बताया कि चुनाव अवधि के दौरान कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के लिए पुलिस व्यवस्था तैयार है और संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों के संबंध में बैठक में निर्णय लेने के बाद जानकारी दी जाएगी।

भिवंडी में अवैध कनेक्शन से लाखों की बिजली चोरी, तीन पर केस

मीटर बायपास कर सीधे केबल से हो रहा था बिजली का इस्तेमाल

भिवंडी। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

टेमघर इलाके में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी का मामला उजागर हुआ है। शांतीनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, टोरेंट पावर कंपनी के एक्जीक्यूटिव अधिकारी निखिल दीपक परब ने शिकायत दर्ज कराई है। जांच के दौरान के.के. म्हात्रे हाउस, कमलाकर म्हात्रे चाल के पास अवैध बिजली कनेक्शन पाए गए। यहां मीटर को पूरी तरह दरकिनार कर सीधे केबल जोड़कर बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था,आरोप है कि रुपेश कमलाकर म्हात्रे, प्रमोद कमलाकर म्हात्रे और सद्रे आलम मोहम्मद तालिब शेख ने आपसी मिलीभगत से यह अवैध कनेक्शन जोड़ा और लंबे समय से बिजली चोरी कर रहे थे। जांच में सामने आया कि करीब 9,393 यूनिट बिजली का अवैध रूप से उपयोग किया गया, जिससे टोरेंट पावर कंपनी को लगभग 3 लाख 10 हजार 672 रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। बिजली चोरी की जानकारी मिलते ही कंपनी के अधिकारियों ने मौके पर पंचनामा किया और शांतीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।फिलहाल पुलिस आरोपियों की भूमिका की गहन जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

इलाज का झांसा देकर 10 लाख की ठगी, पिता से नकद रकम हड़पी

बेटे को ठीक करने का भरोसा दिलाकर फरार हुए आरोपी

भिवंडी। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

शहर में बेटे के इलाज का भरोसा दिलाकर 10 लाख रुपये की ठगी किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस प्रकरण में भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन ने एक व्यक्ति और उसके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता मनोहर देवय्या गड्डम (पेशाः कपड़ा तैयार करने का काम), पद्मानगर इलाके के निवासी हैं। उनके बेटे को गंभीर बीमारी थी, जिसके इलाज को लेकर वे काफी परेशान थे। इसी दौरान आरोपी शेरू बहादुर गौतम उर्फ जंग बहादुर ने अपने दो साथियों के साथ उनसे संपर्क किया।आरोप है कि आरोपियों ने बेटे का पूरा इलाज कराने का भरोसा दिलाते हुए 25 लाख रुपये की मांग की। बातचीत के बाद अलग-अलग समय पर शिकायतकर्ता से 10 लाख रुपये नकद ले लिए गए। आरोपियों ने यह भी कहा था कि यदि इलाज सफल नहीं हुआ तो पूरी रकम वापस कर दी जाएगी, शिकायतकर्ता के मुताबिक, काफी समय बीत जाने के बावजूद न तो बेटे की तबीयत में कोई सुधार हुआ और न ही आरोपियों ने पैसे लौटाए। बाद में संपर्क करने पर आरोपी टालमटोल करने लगे और बातचीत से बचते रहे। खुद को ठगा हुआ महसूस करने पर पीड़ित ने भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आर्थिक धोखाधड़ी की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तुर्भे में पुलिसकर्मी बनकर महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 10 साल का कठोर कारावास

ठाणे: नवी मुंबई की एक अदालत ने 2016 में पुलिस अधिकारी बनकर एक महिला के साथ बलात्कार करने के आरोप में 44 वर्षीय सुरक्षा गार्ड को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। बेलापुर अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पराग ए साने ने आरोपी सागर बाबूराव धुलप को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 170 (लोक सेवक का रूप धारण करना) और 384 (जबरन वसूली) के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने उसे बलात्कार के लिए 10 साल, पुलिस अधिकारी होने का ढोंग करने के लिए दो साल और जबरन वसूली के लिए तीन साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा, उस पर 1,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया और निर्देश दिया गया कि सजाएं एक साथ चलेंगी।

वारिस नहीं, संघर्षशील कार्यकर्ता ही बनेगा नेता : एकनाथ शिंदे का दो टूक संदेश

कल्याण। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

कल्याण के भागवत तालाब में आयोजित शिवसेना की कार्यकर्ता सभा में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने संगठन के भविष्य और नेतृत्व को लेकर बेहद स्पष्ट और कठोर रुख अपनाया। उन्होंने बिना किसी लाग-लपेट के कहा कि शिवसेना में वंशवाद, सिफारिश और सौदेबाज़ी की राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। पार्टी में वही नेता बनेगा जो संघर्ष, समर्पण और जनता के बीच किए गए कार्यों के दम पर आगे बढ़ेगा। सभा को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि "राजा का बेटा राजा बने—यह सोच शिवसेना की विचारधारा के खिलाफ है। यहां नेतृत्व किसी विरासत में नहीं मिलता। जो जमीन पर उतरकर काम करेगा, जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहेगा और संगठन के लिए लगातार संघर्ष करेगा, वही आगे बढ़ेगा।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नाम, पहचान, पैसा या बाहरी दबाव के आधार पर

किसी को पद या जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी।

शिंदे ने कार्यकर्ताओं को सख़्त शब्दों में संदेश दिया कि संगठन की असली ताकत सत्ता में बैठे चेहरे नहीं, बल्कि गली-मोहल्लों में काम करने वाले जमीनी कार्यकर्ता हैं। यदि कार्यकर्ता मजबूत हैं, तो संगठन को कोई कमजोर नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि अहंकार, गुटबाज़ी और सत्ता का नशा शिवसेना की संस्कृति नहीं है और ऐसी प्रवृत्तियों को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाल के दिनों में अन्य राजनीतिक दलों से शिवसेना में हुए प्रवेश को लेकर पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के मन में जो असंतोष और सवाल खड़े हुए थे, उन पर भी शिंदे ने स्पष्ट रुख रखा। उन्होंने कहा कि पार्टी का विस्तार समय की मांग है और नए लोगों का स्वागत किया जाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वर्षों से संगठन की नींव मजबूत करने वाले कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शिवसेना में पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान और अधिकार किसी भी हाल में कम नहीं होगा।

शिंदे ने कार्यकर्ताओं से यह भी कहा कि वे स्वयं को नेता नहीं, बल्कि जनता का सेवक समझें। सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन जनता के बीच की विश्वसनीयता और संगठन के प्रति ईमानदारी ही किसी कार्यकर्ता की असली पहचान होती है। जो कार्यकर्ता इस कसौटी पर खरा उतरेगा, वही संगठन में आगे बढ़ेगा।

इस अवसर पर कल्याण शहर प्रमुख (उत्तर भारतीय विभाग) सी. पी. मिश्रा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिवसेना में न तो टिकट खरीदे जा सकते हैं और न ही पद।

घर में घुसकर महिला को धमकाया

जमीन विवाद को लेकर मारपीट और जबरन बाहर निकालने की शिकायत

भिवंडी। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में जमीन और मकान के विवाद को लेकर एक महिला के घर में जबरन घुसकर धमकाने और बाहर निकालने का मामला सामने आया है। इस संबंध में भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में कई महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता 48 वर्षीय महिला शास्त्रीनगर इलाके में अपने मकान में रहती हैं। 21 दिसंबर की शाम करीब 4 बजे वह अपनी बहन नाजिया के साथ मुंबई से घर लौटी थीं। उसी दौरान आरोपी, हुमेरा समीर खान,साजिया, गजाला, फरीदा और दो अन्य अज्ञात महिलाएं उनके घर में जबरन घुस आईं। आरोप है कि आरोपियों ने मकान पर अपना हक जताते हुए कहा कि यहां केवल हुमेरा खान ही रहेगी।

इस दौरान गाली-गलौज की गई और समूह बनाकर महिला व उसकी बहन को डराया-धमकाया गया। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने भय का माहौल बनाकर दोनों महिलाओं को जबरन घर से बाहर निकाल दिया।पीड़िता का कहना है कि इस घटना से उन्हें मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी है और उन्हें अपने ही घर में रहने से रोका जा रहा है।भिवंडी शहर पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

फिलहाल पुलिस आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

एंटिगा कार हड़पने का मामला दर्ज

भरोसे में लेकर वाहन लेकर फरार, 10 लाख का नुकसान

भिवंडी। भादवड़ इलाके में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के साथ वाहन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार आरोपी ने कंपनी से एंटिगा कार लेकर उसे अपनी बताकर बेच दिया, जिससे कंपनी को करीब 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता निलेश शिवाजी शिरसेकर एक ट्रक ट्रांसपोर्ट कंपनी में कार्यरत हैं। मार्च 2024 में भिवंडी परिसर में उनकी पहचान रोहितलाल रामसाबद प्रजापति से हुई थी। आरोपी ने खुद को चालक बताते हुए कंपनी से काम के लिए एंटिगा कार ली थी।आरोप है कि रोहितलाल प्रजापति ने अपने एक साथी अंसारी के साथ मिलकर आपसी साजिश रची और कार को अपनी बताकर किसी अन्य व्यक्ति को सौंप दिया। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने वाहन वापस करने का भरोसा दिलाकर हजारी रुपये भी लिए, लेकिन इसके बावजूद न तो कार लौटाई गई और न ही कंपनी में जमा कराई गई।पुलिस जांच में सामने आया है कि एरटिगा कार की कीमत करीब 10 लाख रुपये है। शांतिनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी रोहितलाल प्रजापति और उसका साथी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

▶ बस स्टैंड और मार्केट से दो बच्चे लापता ◀

भरोसे में लेकर वाहन लेकर फरार, 10 लाख का नुकसान

भिवंडी। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

भादवड़ इलाके में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के साथ वाहन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार आरोपी ने कंपनी से एंटिगा कार लेकर उसे अपनी बताकर बेच दिया, जिससे कंपनी को करीब 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता निलेश शिवाजी शिरसेकर एक ट्रक ट्रांसपोर्ट कंपनी में कार्यरत हैं। मार्च 2024 में भिवंडी परिसर में उनकी पहचान रोहितलाल रामसाबद प्रजापति से हुई थी। आरोपी ने खुद को चालक बताते हुए कंपनी से काम के लिए एंटिगा कार ली थी।आरोप है कि रोहितलाल प्रजापति ने अपने एक साथी अंसारी के साथ मिलकर आपसी साजिश रची और कार को अपनी बताकर किसी अन्य व्यक्ति को सौंप दिया। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने वाहन वापस करने का भरोसा दिलाकर हजारी रुपये भी लिए, लेकिन इसके बावजूद न तो कार लौटाई गई और न ही कंपनी में जमा कराई गई।पुलिस जांच में सामने आया है कि एरटिगा कार की कीमत करीब 10 लाख रुपये है।

शांतिनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी रोहितलाल प्रजापति और उसका साथी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

74 ग्राम मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार दो हुए फरार

भिवंडी। संवाददाता
▶ मंत्र न्यूज

शांतीनगर इलाके में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांजा बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। शांतीनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले के अनुसार आरोपी के पास से 74 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 7 हजार 700 रुपये बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 21 दिसंबर की शान करीब 7:30 बजे इमामवाड़ा, पिराणीपाड़ा इलाके में पुलिस ने सादे कपड़ों में छापा मारा। इस दौरान पुलिस को संदिग्ध हालत में खड़े एक युवक पर शक हुआ। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली, तो उसके पास प्लास्टिक की पिशवी में गांजा मिला। गिरफ्तार आरोपी की पहचान युनूस कुतुबुद्दीन शेख के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि आरोपी गांजा बेचने के इरादे से वहां खड़ा था। पुलिस ने मौके पर ही उसे हिरासत में लेकर एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।पूछताछ के दौरान दो अन्य व्यक्ति अफताब शोहेब शेख और तबरेज कमल जाफरी का नाम भी सामने आया है, जो आरोपी को गांजा सप्लाई करता था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।शांतीनगर पुलिस सुत्रों का कहना है कि मामले की आगे की जांच जारी है और मादक पदार्थों की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इलाके में नशे के कारोबार पर सख्त नजर रखी जा रही है और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

गांजा तस्करी का खुलासा

रंगीन दीयों से बनी भारत माता की विशाल मोज़ैक कलाकृति, डोंबिवली में विश्व रिकॉर्ड दर्ज

डोंबिवली: डोंबिवली में रंगीन दीयों से निर्मित भारत माता की भव्य मोज़ैक कलाकृति ने एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। करीब ढाई लाख रंग-बिरंगे दीयों के उपयोग से तैयार की गई यह विशाल कलाकृति इन दिनों नागरिकों और कला प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह कलाकृति डोंबिवली जिमखाना मैदान पर प्रदर्शित की गई है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंच रहे हैं।इस अभिनव उपक्रम का आयोजन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से जुड़े डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार की पहल पर किया गया। जानकारी देते हुए रविंद्र चव्हाण ने बताया कि 'वंदे मातरम' गीत के

150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारत माता को समर्पित एक विशेष कलाकृति के माध्यम से राष्ट्रभावना को अभिव्यक्त करने का उद्देश्य रखा गया था।उन्होंने बताया कि भारत माता के पूजन और राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' से जुड़ी परंपरा उनके संस्कारों का हिस्सा रही है, और इसी भावना के तहत यह मोज़ैक कलाकृति साकार की गई। इस अवसर पर उन्होंने कलाकार चेतन राऊत, प्रभु कापसे और वैभव कापसे सहित डोंबिवलीकर कलाकार टीम के प्रयासों की सराहना की।लगभग 95 फीट ऊंची और 75 फीट चौड़ी इस भारत माता की मोज़ैक कलाकृति को तैयार करने में कलाकारों ने लगातार नौ दिनों तक परिश्रम किया।

नीलामी में किन पांच टीमों ने की सबसे बड़ी गलती? महंगे सौदे, पर अधूरी रणनीति ने खींचा ध्यान

आईपीएल 2026 के लिए मिनी नीलामी चर्चा में रहा, लेकिन इस बार वजह रिकॉर्ड बोली नहीं, बल्कि कई टीमों की संदिग्ध रणनीति रही। इस बार कुछ फ्रेंचाइजियों ने जरूरत से ज्यादा पैसे अनिश्चित खिलाड़ियों पर खर्च किए, जबकि कुछ ने साबित मैच-विनर्स को बेहद सस्ते में जाने दिया और उनकी जगह उन खिलाड़ियों को खरीदा, जो अब तक इस लीग में फेल रहे हैं। यह ऑक्शन कई मायनों में मौका चूकने की कहानी बन गया।सनराइजर्स हैदराबादः बड़ा दांव, लेकिन दिशा अस्पष्ट सनराइजर्स हैदराबाद की सबसे ज्यादा आलोचना 13 करोड़ रुपये में लियम लिविंगस्टोन को खरीदने को लेकर हुई। लिविंगस्टोन एक विस्फोटक बल्लेबाज जरूर हैं, लेकिन उनका सटीक रोल फिनिशर, मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज या पार्ट-टाइम गेंदबाज है? यह अब भी स्पष्ट नहीं है। उनकी गेंदबाजी हाल फिलहाल में किसी भी टूर्नामेंट में प्रभावी नहीं रही, जिससे इतनी बड़ी रकम सवालों के घेरे में आ गई। इसके अलावा इस टीम की सबसे बड़ी चूक यह रही कि मोहम्मद शमी के विकल्प के रूप में कोई बड़ा और भरोसेमंद तेज गेंदबाज नहीं जोड़ सका। नतीजा यह हो सकता है कि बल्लेबाजी में चमक के बावजूद टीम का बॉलिंग अटैक पूरे सीजन दबाव में रहे। पिछले सत्र में खराब गेंदबाजी चिंता की वजह बनी थी।कोलकाता नाइट राइडर्सः फिर से जोखिम भरे फैसले कोलकाता नाइट राइडर्स का ऑक्शन पूरी तरह 'उच्च जोखिम-उच्च लाभ' रणनीति पर आधारित दिखा, लेकिन जोखिम कुछ ज्यादा ही बड़े रहे। टीम ने मथीशा पथिराना पर 18 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि 2025 सीजन में उनकी इकॉनमी 10 से ऊपर रही और चोट की आशंका भी बनी हुई है। इसके अलावा फ्रेंचाइजी ने 9.20 करोड़ रुपये में मुस्तफिजुर रहमान को खरीदा और यह फैसला भी सुर्खियों में है। बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण उनकी उपलब्धता सीमित रह सकती है, जो आईपीएल जैसे लंबे टूर्नामेंट में बड़ी समस्या बन सकती भी रहते हैं और तीन बार के चैंपियन केकेआर को यह रास नहीं आ सकता है।

आईपीएल नीलामी में अनसोल्ड खिलाड़ियों की सबसे मजबूत प्लेइंग-11, कप्तान और चार विदेशी खिलाड़ी कौन-कौन?

आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी में कई बड़े और अनुभवी नामों का अनसोल्ड रह जाना क्रिकेट फैंस के लिए हैरानी भरा रहा। टीमें रणनीति, उम्र, फिटनेस और भविष्य की योजना को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ीं, लेकिन इस प्रक्रिया में कई ऐसे खिलाड़ी बाहर रह गए जो किसी भी टीम की प्लेइंग-11 को मजबूती दे सकते थे। अगर इन अनसोल्ड खिलाड़ियों को मिलाकर एक टीम बनाई जाए, तो वह कागजों पर किसी भी फ्रेंचाइजी को कड़ी टक्कर देने में सक्षम नजर आती है। आइए जानते हैं...

टॉप ऑर्डरः अनुभव और आक्रामकता का मेल इस संभावित प्लेइंग-11 की शुरुआत डेवोन कॉनवे और जॉनी बेयरस्टो जैसे अनुभवी विदेशी बल्लेबाजों से होती है। कॉनवे जहां विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका में टीम को स्थिरता देते हैं, वहीं बेयरस्टो अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पावरप्ले में विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बना सकते हैं। दोनों ही खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित कर चुके हैं, इसके बावजूद नीलामी में अनदेखी का शिकार बने। अनसोल्ड खिलाड़ियों की प्लेइंग-11 के ओपनर स्लॉट के लिए ये दोनों परफेक्ट दिखाई पड़ते हैं। बेयरस्टो के अनुभव को देखते हुए टीम की कमान उन्हीं के हाथों में होगी। मध्यक्रम में विजय शंकर और महिपाल लोमरोर जैसे भारतीय बल्लेबाज टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। विजय शंकर जहां अनुभव के साथ उपयोगी गेंदबाजी भी कर सकते हैं, वहीं लोमरोर बाएं हाथ के बल्लेबाज के तौर पर स्पिन के खिलाफ अहम भूमिका निभा सकते हैं और वह बड़ी हिट लगाने में भी सक्षम हैं। लोमरोर स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। इसके अलावा मध्यक्रम में दक्षिण अफ्रीका के स्टार ऑलराउंडर वियान मुल्डर भी हैं, जो आने वाले समय के दिग्गज खिलाड़ी माने जा रहे हैं। वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी के साथ-साथ तेज गेंदबाजी भी कर सकते हैं। उनके साथ माइकल ब्रेसवेल जैसा मैच-विनर ऑलराउंडर टीम की गहराई को और मजबूत करता है।गेंदबाजी विभागः विविधता और दम ऑलराउंडर विकल्प के तौर पर तनुष कोटियान या आरएस हेंगरगेकर जरूरत के मुताबिक टीम में जगह बना सकते हैं। अगर पिच स्पिन की मददगार है तो तनुष और अगर तेज गेंदबाज की मददगार है तो हेंगरगेकर खेल सकते हैं। दोनों ऑलराउंडर हैं और लोअर ऑर्डर में विस्फोटक बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। स्पिन विभाग में कर्ण शर्मा या कुमार कार्तिकेय जैसे गेंदबाज मौजूद हैं, जो भारतीय पिचों पर असरदार साबित हो सकते हैं। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी आकाश मधवाल संभालेंगे, जिनके साथ चेतन साकरिया या सिमरजीत सिंह नई गेंद और डेथ ओवर्स में विकल्प होंगे।

वेस्टइंडीज पर न्यूजीलैंड की जीत से भारत को क्यों हुआ नुकसान? टेस्ट चैंपियनशिप का मौजूदा हाल

माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेले गए सीरीज के तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 323 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कीवियों ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज भी 2-0 से अपने नाम की। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टीम दूसरे स्थान पर काबिज है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 2027 में खेला जाना है। अंक तालिका में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों के बीच फाइनल होगा। न्यूजीलैंड की टीम दूसरे स्थान पर न्यूजीलैंड ने बे ओवल में वेस्टइंडीज के सामने 462 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में विंडीज टीम 138 रन पर सिमट गई। सीरीज का पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था। वहीं, वेलिंगटन में खेले गए दूसरे टेस्ट को न्यूजीलैंड ने नौ विकेट से अपने नाम किया था। वेस्टइंडीज पर जीत के बाद न्यूजीलैंड के तीन मैचों में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ 28 अंक हैं। उसका अंक प्रतिशत 77.78 है। टीम दूसरे स्थान पर है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एशेज में शानदार प्रदर्शन जारी है। उसके छह टेस्ट में छह जीत के साथ 72 अंक हैं। टीम का अंक प्रतिशत 100 है। दक्षिण अफ्रीका ने भारत में दो टेस्ट जीते और चार मैचों के बाद तीन जीत और एक हार के साथ टीम का अंक प्रतिशत 75.00 है। वहीं, उसके अंक 36 हैं। भारतीय टीम तालिका में छठे स्थान पर श्रीलंका ने इस चक्र में अब तक दो टेस्ट में एक जीत और एक ड्रॉ के साथ 16 अंक अर्जित किए हैं। उसका अंक प्रतिशतक 66.67 है।

भारत की टी20 विश्वकप टीम में क्यों और कैसे लौटे ईशान किशन? रविचंद्रन अश्विन ने बताई वजह, जानें

भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए ईशान किशन की भारतीय टीम में वापसी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। अश्विन का मानना है कि यह चयन किसी सिफारिश या संयोग का नतीजा नहीं, बल्कि क्रिकेट की ओर से दिया गया एक इनाम है। उनके मुताबिक, ईशान किशन की वापसी का सबसे बड़ा कारण यही है कि उन्होंने क्रिकेट को वह सम्मान दिया, जिसका वह हकदार है। शान किशन को टीम में दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में शामिल किया गया है। यह वापसी उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर की है, जहां उन्होंने झारखंड को उसका पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई और पूरे टूर्नामेंट के टॉप रन-स्कोरर रहे। 'जिंदगी घूमकर वापस आती है' अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'यह क्रिकेट की ओर से ईशान किशन को मिला एक तोहफा है। बाहर बैठे कई लोग इसे समझ सकते हैं और कुछ को यह चयन अनुचित भी लग सकता है। लेकिन जिंदगी घूमकर वापस आती है। ईशान पहले टीम में क्यों नहीं थे और अब कैसे लौटे, इसका सिर्फ एक ही कारण है। उन्होंने क्रिकेट को उसका सम्मान दिया।' अश्विन का यह बयान सीधे तौर पर उस दौर की ओर इशारा करता है, जब ईशान किशन चयनकर्ताओं की प्राथमिकता से बाहर हो गए थे। अब घरेलू क्रिकेट में लगातार मेहनत और प्रदर्शन ने उन्हें फिर से राष्ट्रीय टीम दरवाजे तक पहुंचा दिया।सैयद मुश्ताक में ऐतिहासिक प्रदर्शनईशान किशन ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025/26 सत्र में अविश्वसनीय प्रदर्शन किया।

BOLLYWOOD

46 साल की उम्र में अभिनेता ने ली खुद की जान

'द वायर' फेम जेम्स रैन्सोन के निधन से मची हलचल

हॉलीवुड इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। मशहूर अमेरिकी अभिनेता जेम्स रैन्सोन का 46 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। लॉस एंजेलिस काउंटी मेडिकल एग्जामिनर के अनुसार, अभिनेता का निधन शुक्रवार को हुआ और उनकी मृत्यु को कथित तौर पर आत्महत्या बताया गया है। इस खबर के सामने आते ही फिल्म और टीवी जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।'द वायर' के लिए जाने जाते थे जेम्स रैन्सोन जेम्स रैन्सोन को खास तौर पर एचबीओ की प्रतिष्ठित क्राइम ड्रामा सीरीज 'द वायर' में निभाए गए किरदार चेस्टर जिग्गी सोबोटका के लिए जाना जाता है। सीरीज के दूसरे सीजन में उन्होंने एक ऐसे डॉक वर्कर की भूमिका निभाई थी, जो अपराध की दुनिया में उलझा हुआ था। उनकी अदाकारी को आलोचकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा था। इस किरदार ने उन्हें टेलीविजन की दुनिया में एक अलग पहचान दिलाई।इसके अलावा, रैन्सोन ने एचबीओ की मिनीसीरीज जनरेशन किल में कॉर्पोरल जोश रे पर्सन की भूमिका निभाई, जहां उन्होंने अलेक्जेंडर स्कार्सगार्ड जैसे कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा की। उनकी अभिनय शैली में गहराई, ईमानदारी और असहज कर देने वाली सच्चाई झलकती थी, जो उनके किरदारों को बेहद प्रभावशाली बना देती थी।जेम्स रैन्सोन को कलाकारो ने दी श्रद्धांजलि हाल के वर्षों में जेम्स रैन्सोन को हॉरर फिल्म इटः चैप्टर टू में एडी कैस्प्रब्रैक के रूप में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ बिल हैडर, जेसिका चैस्टेन, जेम्स मैकएवॉय और बिल स्कार्सगार्ड जैसे बड़े सितारे थे। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद, रैन्सोन ने अपने अभिनय से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। उनके निधन के बाद कई कलाकारों और सहयोगियों ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी। अभिनेता फ्रांस्वा अर्नाड ने इंस्टाग्राम पर उन्हें याद करते हुए लिखा कि जेम्स एक ऐसे कलाकार थे, जिनसे वो लगातार प्रेरित होते रहे। इंडस्ट्री के कई लोगों ने उन्हें एक यूनिक और निडर अभिनेता बताया।

2002 में मिला था बड़ा ब्रेक साल 1979 में बाल्टीमोर में जन्मे जेम्स रैन्सोन ने मैरीलैंड के कार्वर सेंटर फॉर आर्ट्स एंड टेक्नोलॉजी से पढ़ाई की थी। उन्हें पहला बड़ा ब्रेक 2002 की फिल्म केन पार्क से मिला, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि, उनकी निजी जिंदगी संघर्षों से भरी रही।

रिलीज से पहले 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को बड़ा झटका, सेंसर बोर्ड ने हटाया सीन; मिला ये सर्टिफिकेट

बॉलीवुड की मच अवेटेड रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में शुमार 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की यह फिल्म इस साल की क्रिसमस रिलीज मानी जा रही है और 25 दिसंबर 2025 को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। रिलीज से पहले अब फिल्म को सेंसर बोर्ड की तरफ से बड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन यानी सेंसर बोर्ड की ओर से U/A 16+ सर्टिफिकेट दिया गया है। यानी अब यह फिल्म 16 साल से कम उम्र के दर्शक माता-पिता की निगरानी में ही देख सकेंगे। यह फैसला फिल्म के कुछ सीन और डायलॉग्स को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। ताया जा रहा है कि सेंसर बोर्ड की जांच समिति ने फिल्म में कुल तीन बदलाव करने के निर्देश दिए थे। इनमें सबसे अहम बदलाव एक रोमांटिक सीन से जुड़ा है, जिसे बोर्ड ने जरूरत से ज्यादा बोल्ड मानते हुए छोटा करने को कहा। इसके चलते करीब 15 सेकंड का एक सीन फिल्म से कम कर दिया गया है। हालांकि मेकर्स ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई और तुरंत बदलावों को स्वीकार कर लिया।

आपत्तिजनक शब्दों को हटाने के निर्देशइसके अलावा, फिल्म के कुछ डायलॉग्स और सबटाइटल्स में इस्तेमाल किए गए आपत्तिजनक शब्दों को भी हटाने या म्यूट करने के निर्देश दिए गए। खास तौर पर फिल्म के सेकंड हाफ में इस्तेमाल किए गए कुछ शब्दों और उनके संक्षिप्त रूपों पर सेंसर बोर्ड ने आपत्ति जताई थी। सभी बदलाव पूरे होने के बाद ही फिल्म को सर्टिफिकेट जारी किया गया।

फिल्म का निर्देशन फिल्म का निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है, जो इससे पहले भी भावनात्मक और हल्की-फुल्की कहानियों के लिए पहचाने जाते रहे हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा है। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की केमिस्ट्री, फिल्म का टाइटल और म्यूजिक पहले ही दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट पैदा कर चुका है। फिल्म की कुल लंबाई 2 घंटे 25 मिनट और 41 सेकंड बताई जा रही है। यानी सेंसर कट के बावजूद फिल्म का रनटाइम दर्शकों को पूरी तरह एंटरटेन करने के लिए काफी माना जा रहा है।

'आखिरी हिस्सा अभी बाकी है...', अजय देवगन की 'दृश्यम 3' की हुई घोषणा; जानिए कब रिलीज होगी फिल्म

अजय देवगन की सुपरहिट सस्पेंस-थ्रिलर 'दृश्यम' के तीसरे पार्ट का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में मोहनलाल ने 'दृश्यम 3' के असली मलयालम वर्जन की शूटिंग शुरू की थी। अब अजय देवगन की 'दृश्यम 3' को लेकर भी जानकारी सामने आ गई है। मेकर्स ने आज अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 3' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। जानिए अजय देवगन कब लेकर आ रहे हैं 'दृश्यम 3'...

कहानी अभी खत्म नहीं हुई है मेकर्स की ओर से जारी किए गए इस 1 मिनट 13 सेकंड के वीडियो में अजय देवगन का वॉइस ओवर है। इस वॉइस ओवर में अजय देवगन अपने परिवार की अहमियत के बारे में बताते हैं। साथ ही अब तक की स्टोरी की भी झलक देखने को मिलती है। इस वॉइस ओवर में विजय सलगांवकर का किरदार कहता है कि 'मेरा सच मेरा सही सिर्फ मेरी फैमिली है।' वॉइस ओवर में बताया गया है कि विजय सलगांवकर अपनी फैमिली के लिए अभी भी एक दीवार बनकर खड़ा हुआ है। इस वीडियो के अंत में विजय सलगांवकर कहता है कि 'कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। आखिरी हिस्सा अभी बाकी है।' अक्तूबर 2026 को रिलीज होगी फिल्म 'दृश्यम 3' का निर्देशन का अभिषेक पाठक ने किया है। 2 अक्तूबर 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म की कास्ट को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, उम्मीद है कि तीसरे पार्ट में कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी, जहां पिछले पार्ट में खत्म हुई थी। ऐसे में अब देखना ये है की फिल्म की कास्ट में कोई बदलाव होता है या नहीं। सबसे ज्यादा निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या अक्षय खन्ना का किरदार इस फिल्म में दिखाई देगा या नहीं। मोहनलाल की मलयालम फिल्म का रीमेक है 'दृश्यम' 'दृश्यम' मोहनलाल की इसी नाम से बनी मलयालम फिल्म का हिंदी रीमेक है। हिंदी में इस फिल्म की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। 2015 में आई 'दृश्यम' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसके सात साल बाद 2022 में फिल्म का दूसरा पार्ट 'दृश्यम 2' रिलीज हुआ। इस बार फिल्म में अक्षय खन्ना भी नजर आए। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और सफल रही। अब 4 साल बाद मेकर्स फिल्म का तीसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं। कुछ दिनों पहले मोहनलाल ने भी 'दृश्यम 3' की शूटिंग शुरू की है। खास बात ये है कि फिल्म की लोकप्रियता को देखते हुए इस बार मलयालम मेकर्स भी फिल्म को हिंदी में रिलीज करने जा रहे हैं। ऐसे में देखना ये होगा कि क्या अजय देवगन की 'दृश्यम 3' की कहानी वही होगी या फिर इसमें कोई बदलाव देखने को मिलेगा।

दुलकर सलमान को बॉलीवुड में इस बात के लिए करना पड़ा संघर्ष, बड़ा स्टार होने का करना पड़ा दिखावा

दुलकर सलमान साउथ फिल्म इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा हैं। हालांकि उन्होंने जब हिंदी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने का फैसला किया तो उन्हें संघर्ष करना पड़ा। दक्षिण में एक जाना-माना नाम होने और मलयालम सुपरस्टार ममूटी का बेटा होने के बावजूद, उन्हें लोगों से गंभीरता से लिए जाने में काफी मुश्किल हुई। सम्मान पाने के लिए उन्हें एक स्टार की तरह एक्टिंग करनी पड़ी।मलयालम से अलग है बॉलीवुड इंडस्ट्री

हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में दुलकर सलमान ने बॉलीवुड में काम करने के बारे में बताया है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की संस्कृति मलयालम सिनेमा से बहुत अलग है। शुरुआती बॉलीवुड सेट्स पर उन्हें और उनकी छोटी टीम को अक्सर नजरअंदाज किया जाता था। दुलकर सलमान ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'कारवां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह 'द जोया फैक्टर' का भी हिस्सा रहे। सलमान के मुताबिक अगर आपके पास स्टेटस नहीं है तो बॉलीवुड में आपको मॉनिटर के सामने बैठने के लिए कुर्सी नहीं मिलती है। इससे निपटने के लिए सलमान को 'एक बड़ा स्टार' होने का दिखावा करना पड़ा, हालांकि हिंदी इंडस्ट्री में अभी तक उनकी वैसी पहचान नहीं थी। दुलकर सलमान ने कहा 'अगर आप सफल नहीं दिखते हैं, तो लोग आपको जरूरी नहीं समझते। अगर आप किसी फैंसी कार में नहीं आते हैं या बहुत सारे लोगों के साथ नहीं आते हैं तो आपको अहमियत नहीं दी जाती। मलयालम में अलग हैं चीजें अभिनेता ने कहा कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा नहीं होता है। वहां प्रोडक्शन की संस्कृति आमतौर पर ज्यादा सीधी और जमीनी है।

विश्व ध्यान दिवस पर विशेष कक्षाएं, 50 हजार लोगों ने किया ध्यान, देशभर में कार्यक्रम

नेपाल काठमांडो। नेपाल में विश्व ध्यान दिवस के मौके पर देशभर में आर्ट ऑफ लिविंग के कार्यक्रम आयोजित हुए। इसी के साथ विशेष कक्षाएं चलाई गई। जहां 50 हजार लोगों ने ध्यान किया।विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर रविवार को नेपाल में विशेष कक्षाएं आयोजित की गईं। आर्ट ऑफ लिविंग की नेपाल इकाई की तरफ से देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक चले कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक लोगों ने ध्यान अभ्यास किया। संयुक्त राष्ट्र की तरफ से घोषित विश्व ध्यान दिवस हर वर्ष 21 दिसंबर को विश्वभर में मनाया जाता है।

इस बार दूसरा विश्व ध्यान दिवस था। आर्ट ऑफ लिविंग नेपाल के अनुसार, देश के विभिन्न विद्यालयों, कॉलेजों, शैक्षिक संस्थानों, सरकारी व निजी कार्यालयों, पुलिस, नेपाली सेना की इकाइयों तथा सामुदायिक केंद्रों में ध्यान सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा, एक हजार से अधिक प्रतिभागियों ने सात दिवसीय विशेष ध्यान अभ्यास पूरा किया।

रूस ने अमेरिका और यूक्रेन के साथ त्रिपक्षीय बातचीत की खबर को खारिज किया

रूस। रूस ने यूक्रेन और अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय बातचीत की संभावना को खारिज कर दिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने रूसी सरकारी मीडिया को बताया कि फिलहाल ऐसी कोई बैठक आयोजित नहीं की जा रही है।

रूसी विदेश मंत्रालय का ये बयान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के शनिवार को दिए बयान के बाद आया। जेलेंस्की ने कहा था कि अमेरिका ने रूस और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन की पेशकश की है। इस बैठक में ट्रम्प, पुतिन और जेलेंस्की शामिल होंगे।

अमेरिका की इस पेशकश पर जेलेंस्की ने कहा कि अगर कैदियों की अदला-बदली को लेकर तीनों देशों के नेताओं के बीच बातचीत हो सकती है, तो यूक्रेन इसके लिए तैयार है।

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध खत्म कराने के लिए बड़े स्तर पर कूटनीतिक कोशिशें कर रहे हैं। अमेरिका और रूस के बीच पिछले एक साल से बातचीत जारी है। रूसी अधिकारी किरील दिमित्रिएव ने शनिवार को मियामी में कहा कि बातचीत सकारात्मक ढंग से आगे बढ़ रही है।

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, हमले का मकसद फिलहाल स्पष्ट नहीं है। गौतेंग प्रांत की पुलिस प्रवक्ता ब्रिगेडियर ब्रेंडा मुरीडिली ने बताया कि कुछ पीड़ितों को सड़कों पर अचानक गोली मारी गई।

मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। यह गोलीबारी बेकर्सडाल के एक शराबखाने के पास हुई।

घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की तलाश जारी है।

यह इस महीने दक्षिण अफ्रीका में दूसरी बड़ी गोलीबारी की घटना है। इससे पहले 6 दिसंबर को राजधानी प्रिटोरिया के पास एक हॉस्टल में हुई फायरिंग में 12 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें एक तीन साल का बच्चा भी शामिल था।

पुलिस के मुताबिक, उस हॉस्टल में अवैध रूप से शराब बेची जा रही थी। 6.3 करोड़ की आबादी वाले दक्षिण अफ्रीका में अपराध की दर बेहद अधिक है और यह दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां हत्या की दर सबसे ज्यादा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की अमेरिका की तीन-पक्षीय वार्ता प्रस्ताव पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने शनिवार को कहा कि अगर बातचीत से कैदियों की अदला-बदली हो सकती है या राष्ट्रीय नेताओं की बैठक का रास्ता साफ होता है, तो यूक्रेन इस प्रस्ताव का समर्थन करेगा।

जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के शीर्ष वार्ताकार रुस्तेम उमेरोव ने उन्हें अमेरिकी वार्ताकारों के साथ शुक्रवार को हुई हालिया चर्चाओं की जानकारी दी है, और शनिवार को एक नई दौर की बातचीत होनी है, जिसमें जंग के बाद यूक्रेन के पुनर्निर्माण पर चर्चा की जाएगी।

इसी बीच, रूसी विशेष दूत किरिल दमित्रिएव भी अमेरिकी अधिकारियों से बातचीत के लिए मियामी में मौजूद हैं। जेलेंस्की के अनुसार, अमेरिका अब राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर अमेरिका, यूक्रेन और रूस के बीच तीन-पक्षीय वार्ता का प्रस्ताव दे रहा है।

उन्होंने कहा, ₹अगर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक से नेताओं की बैठक पर सहमति बन जाए, तो मैं इसका विरोध नहीं कर सकता। हम ऐसे अमेरिकी प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। देखते हैं आगे क्या होता है।"

जेलेंस्की ने साफ कहा कि यूक्रेन केवल उन प्रस्तावों का समर्थन करेगा जिनमें पूर्वी यूक्रेन के डॉनबास इलाके में अभी जो फ्रंटलाइन है, वह वैसी की वैसी रहे।

यानी यूक्रेन को अपना जो हिस्सा अभी कंट्रोल में है, उसे छोड़ना नहीं पड़ेगा। वे कोई भी समझौता नहीं चाहते जिसमें उनका कब्जे वाला क्षेत्र रूस को देना पड़े।

ट्रंप के विशेष दूत ने यूक्रेन और यूरोप के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, बोले- सकारात्मक रही बातचीत

व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए यूक्रेन और यूरोप के साथ सकारात्मक बातचीत की। विटकॉफ ने कहा कि वार्ता का उद्देश्य हत्याओं को रोकना, सुरक्षा सुनिश्चित करना और यूक्रेन की स्थिरता व दीर्घकालिक समृद्धि सुनिश्चित करना है।व्हाइट हाउस के एक विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रविवार को कहा कि उन्होंने करीब चार साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए फ्लोरिडा में यूक्रेन और यूरोपीय प्रतिनिधियों के साथ 'उत्पादक और सकारात्मक' बातचीत की। स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह बातचीत यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के बीच साझा रणनीतिक दृष्टिकोण बनाने के लिए की गई। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता हत्याओं को रोकना, सुरक्षा सुनिश्चित करना और यूक्रेन की स्थिरता, पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक समृद्धि के लिए परिस्थितियां बनाना है। शांति केवल संघर्ष की समाप्ति नहीं, बल्कि स्थिर भविष्य की नींव भी होनी चाहिए।

बांग्लादेश पुलिस के हाथ अब तक खाली, मुख्य आरोपी की नहीं ठोस जानकारी

बांग्लादेश पुलिस का कहना है कि युवा नेता हादी की हत्या के मुख्य संदिग्ध के बारे में अभी तक कोई ठोस जानकारी नहीं है। पुलिस का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हादी की पार्टी इंकलाब मंच ने शनिवार को अंतरिम सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कट्टर विरोधी और 32 वर्षीय इंकलाब मंच के प्रवक्ता उस्मान हादी की 12 दिसंबर को ढाका के बिजोयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। जिसके बाद गुरुवार (18 दिसंबर) को सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे बांग्लादेश में नई सिरे से हिंसा जारी है। इस बीच ताजा जानकारी सामने आई है कि बांग्लादेश पुलिस के हादी हत्याकांड में अब तक हाथ खाली है। कोई 'विशिष्ट जानकारी' नहीं:बांग्लादेश पुलिस

बांग्लादेश पुलिस ने रविवार (21 दिसंबर) को कहा कि उनके पास नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मुख्य संदिग्ध के ठिकाने के बारे में कोई 'विशिष्ट जानकारी' नहीं है। पुलिस की यह बयान एक दिन पहले हादी की इंकलाब मंच पार्टी की ओर से अंतरिम सरकार को 24 घंटे के अल्टीमेटम जारी करने के बाद आईं, जिसमें पार्टी ने अपने नेता की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी में 'स्पष्ट प्रगति' की मांग की थी।

'अल्पसंख्यकों पर नहीं हो रहे व्यापक हमले..', बांग्लादेश ने भारत के आरोपों को किया खारिज

बांग्लादेश विदेश मंत्रालय ने कहा कि मयमनसिंह में हिंदू युवक की हत्या के बाद अल्पसंख्यकों पर व्यापक हमले के संकेत नहीं हैं। मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेशी उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन को लेकर भी टिप्पणी की। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान जारी किया। मंत्रालय ने दावा किया कि मयमनसिंह में हिंदू युवक की हत्या के बाद अल्पसंख्यकों पर हमलों व्यापक हमलों का कोई संकेत नहीं है। इससे पहले, भारत ने 20 दिसंबर को नई दिल्ली में बांग्लादेश के उच्चायोग के बाहर हुई घटना को लेकर बांग्लादेशी मीडिया के कुछ हिस्सों की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज किया था। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी उच्चायोग के ठीक बाहर ही अपनी गतिविधियां कर रहे थे और उच्चायोग को इस संगठित कार्यक्रम की पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। बयान में यह भी कहा गया कि नई दिल्ली बांग्लादेश के सभी कूटनीतिक कार्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड में नियुक्त किया विशेष दूत

डेनमार्क की गुहार- हमारी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें

कोपेनहेगन US। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सत्ता संभालते ही ग्रीनलैंड पर कब्जे की इच्छा जताई थी। अब अमेरिका ने इस दिशा में कदम उठाने की शुरुआत कर दी है। जिस पर डेनमार्क ने चिंता जताई है और बयान जारी कर उनकी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की अपील की है।

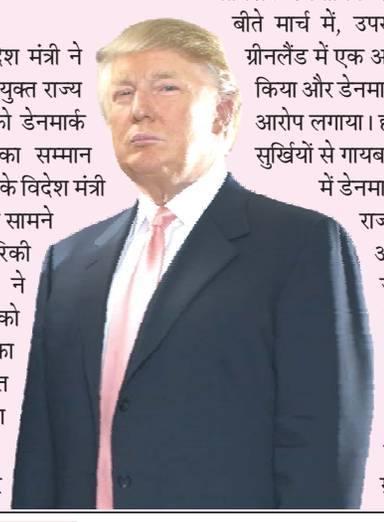

डेनमार्क के विदेश मंत्री ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका सहित सभी को डेनमार्क की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। डेनमार्क के विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लुइसियाना के गवर्नर को ग्रीनलैंड के लिए अमेरिका का विशेष दूत नियुक्त करने का एलान किया है।

ट्रंप, ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात कह चुके

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कही थी। अभी ग्रीनलैंड, डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। खनिज के मामले में समृद्ध ग्रीनलैंड रणनीतिक रूप से भी बेहद अहम है। बीते मार्च में, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ग्रीनलैंड में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे का दौरा किया और डेनमार्क पर वहां ध्यान ने देने का आरोप लगाया। हालांकि धीरे-धीरे यह मुद्दा सुर्खियों से गायब हो गया। इस बीच अगस्त में डेनमार्क की सरकार ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से जुड़े तीन लोगों पर ग्रीनलैंड में गुप्त अभियान चलाने का आरोप लगाया।

अब रविवार को, ट्रंप ने लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री को ग्रीनलैंड के लिए विशेष दूत के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की।

एलान करते हुए ट्रंप ने कहा कि 'जेफ समझते हैं कि ग्रीनलैंड हमारी और हमारे सहयोगियों की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कितना जरूरी है। हम हमारे देश के हितों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।' इस पर लैंड्री ने X पर साझा एक पोस्ट में लिखा 'ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाने के लिए काम करना सम्मान की बात है।'

डेनमार्क ने जारी किया बयान

इस पर डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके राममुसेन ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, 'यह नियुक्ति ग्रीनलैंड में अमेरिकी हित की निरंतरता की पुष्टि करती है। हालांकि, हम इस बात पर जोर देते हैं कि अमेरिका सहित सभी देशों को डेनमार्क की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए।' इस महीने की शुरुआत में, डेनमार्क की रक्षा खुफिया सेवा ने एक वार्षिक रिपोर्ट में कहा था, 'अमेरिका अपनी आर्थिक शक्ति का उपयोग अपनी इच्छा थोपने और दोस्त और दुश्मन दोनों के खिलाफ सैन्य बल की धमकी देने के लिए कर रहा है'।

हादी के बाद एक और छात्र नेता सिकदर को सिर पर मारी गोली, हालत गंभीर; फिर बिगड़ेंगे हालात

ढाका बांग्लादेश । शरिफ उस्मान हादी की मौत के बाद खुलना में एक और छात्र नेता मोतालेब सिकदर को सिर में गोली मारी गई। बढ़ती राजनीतिक हिंसा ने बांग्लादेश में सुरक्षा और चुनावी माहौल पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी खुलना शहर में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने अगस्त 2024 में हुए हिंसक छात्र विद्रोह के दूसरे लीडर के सिर में गोली मार दी। यह घटना जाने-माने युवा लीडर शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुई। एनसीपी की जॉइंट प्रिंसिपल कोऑर्डिनेटर महमूदा मिटू ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा नेशनल सिटिजन पार्टी के खुलना डिवीजन हेड और पार्टी के वर्कर्स फ्रंट के सेंट्रल कोऑर्डिनेटर, मोहम्मद मोतालेब सिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई।

यह हमला ऐसे समय हुआ है जब बांग्लादेश अभी तक युवा नेता शरिफ उस्मान हादी की हत्या से उबर नहीं पाया है। हादी को 12 दिसंबर को ढाका के बिजयनगर इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान नकाबपोश हमलावरों ने सिर में गोली मार दी थी।

यूक्रेन पर शक

रूसी जनरल की फिल्मी स्टाइल में हत्या, कार के नीचे विस्फोटक लगाकर किया धमाका

मास्को रूस । रूस की सेना के एक शीर्ष अधिकारी को फिल्मी स्टाइल में विस्फोट कर मार डाला गया है। हमले का शक यूक्रेन पर है। जांच एजेंसियां छानबीन कर रही हैं। गौरतलब है कि रूसी सेना के कई अधिकारी इस तरह के हमलों में मारे गए हैं। रूस में एक सैन्य जनरल की फिल्मी स्टाइल में हत्या कर दी गई है। जांचकर्ताओं ने बताया कि सोमवार सुबह दक्षिणी मॉस्को में एक रूसी जनरल की कार के नीचे एक विस्फोटक डिवाइस फटने से उनकी मौत हो गई। रूस की जांच समिति की आधिकारिक प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने बताया कि रूसी सेना के जनरल स्टाफ के ऑपरेशनल ट्रेनिंग निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की इस हमले में मौत हो गई। रूसी जनरल की हत्या का शक यूक्रेन पर है। पेट्रेंको ने कहा, 'जांचकर्ता हत्या के संबंध में कई कोण से जांच कर रहे हैं। इनमें से एक यह है कि इस घटना को यूक्रेनी खुफिया सेवाओं द्वारा अंजाम दिया गया है।' रूसी मीडिया ने बताया कि मॉस्को की यासेनेवा स्ट्रीट पर एक पार्किंग में सुबह लगभग 7 बजे

कार में विस्फोट हुआ। जिसमें रूसी जनरल फानिल सरवारोव की मौत हो गई। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सरवारोव की हत्या के बारे में जानकारी दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सरवारोव पहले चेचन्या में लड़ चुके थे और सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान का हिस्सा थे।

गौरतलब है कि यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दिसंबर 2024 में एक ऐसे हमले में एक उच्च पदस्थ रूसी जनरल की हत्या की थी। रूसी सेना के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की उनके अपार्टमेंट बिल्डिंग के बाहर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाकर रखे गए बम से मौत हो गई।

इस मामले में एक उज्बेक व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार किया गया और उस पर यूक्रेनी सुरक्षा सेवा की ओर से किरिलोव की हत्या का आरोप लगाया गया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किरिलोव की हत्या को रूस की सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी गलती बताया, और कहा कि उन्हें इससे सीखना चाहिए और अपनी कार्यक्षमता में सुधार करना चाहिए, लेकिन अप्रैल में, एक और वरिष्ठ रूसी सैन्य अधिकारी, लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक को मॉस्को के ठीक बाहर उनकी अपार्टमेंट बिल्डिंग के पास खड़ी उनकी कार में रखे विस्फोटक से मार दिया गया।

'सिडनी के हमलावर ने पिता से सीखा बंदूक चलाना'; ऑस्ट्रेलियाई पुलिस की जांच में खुलासा

सिडनी । सिडनी के बॉन्डी बीच पर पिछले सप्ताह दो आतंकवादियों ने 15 लोगों की हत्या कर दी थी। सोमवार को पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सिडनी के बाहर न्यू साउथ वेल्स राज्य के एक इलाके में अपने पिता के साथ बंदूक प्रशिक्षण लिया था।

सिडनी के बॉन्डी बीच पर 15 लोगों की हत्या के आरोपी व्यक्ति ने सिडनी के बाहर न्यू साउथ वेल्स राज्य के एक इलाके में अपने पिता के साथ बंदूक चलाने का प्रशिक्षण लिया था। सोमवार को जारी ऑस्ट्रेलियाई पुलिस एक बयान के अनुसार उन लोगों ने सुनियोजित हमले के औचित्य के बारे में एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। यह बयान सोमवार को सिडनी के एक अस्पताल से नवीद अकरम की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेशी के बाद सार्वजनिक किया गया, जहां उसकी पेट की चोट का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने 14 दिसंबर की गोलीबारी की घटना स्थल पर अकरम को घायल कर दिया और उसके पिता, 50 वर्षीय साजिद अकरम को मार डाला।

अकरम पर 59 अपराधों का आरोप लगा है

न्यू साउथ वेल्स राज्य सरकार ने पुष्टि की कि नवीद अकरम को सोमवार को अस्पताल से जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। बयान में आरोप लगाया गया है कि 24 वर्षीय युवक और उसके पिता ने बॉन्डी बीच पर एक वार्षिक यहूदी कार्यक्रम मना रही भीड़ की ओर चार तात्कालिक विस्फोटक उपकरण फेंककर अपना हमला शुरू किया, लेकिन उपकरण फटने में विफल रहे। पुलिस ने इन उपकरणों को तीन एल्युमिनियम पाइप बम और एक टेनिस बॉल बम बताया, जिनमें विस्फोटक, काला पाउडर और स्टील बॉल बियरिंग भरी हुई थीं। इनमें से कोई भी फटा नहीं, लेकिन पुलिस ने इन्हें सक्रिय आईईडी बताया।अधिकारियों ने अकरम पर 59 अपराधों का आरोप लगाया है, जिनमें हत्या के 15 मामले, घायल बचे लोगों के संबंध में हत्या के इरादे से नुकसान पहुंचाने के 40 मामले और एक आतंकवादी कृत्य करने का मामला शामिल है।

सरकार ने सोमवार को संसद में हथियार प्रशिक्षण से संबंधित मसौदा कानून पेश किया

आठ दिवसीय हनुक्का उत्सव की शुरुआत में हुआ यह

यहूदी विरोधी हमला 1996 में तस्मानिया राज्य में एक अकेले बंदूकधारी द्वारा 35 लोगों की हत्या के बाद से ऑस्ट्रेलिया में हुई सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी की घटना थी। न्यू साउथ वेल्स सरकार ने सोमवार को संसद में मसौदा कानून पेश किए, जिनके बारे में प्रीमियर क्रिस मिन्स ने कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया में सबसे सख्त कानून बन जाएंगे।

नए प्रतिबंधों में बंदूक प्रशिक्षण लाइसेंस के लिए पात्रता की शर्त के रूप में ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता को अनिवार्य बनाना शामिल होगा। इससे साजिद अकरम, जो स्थायी निवास वीजा धारक भारतीय नागरिक थे, लाइसेंस के दायरे से बाहर हो जाते। साजिद अकरम के पास कानूनी तौर पर छह राइफल और शॉटगन भी थीं। शौकिया निशानेबाजों के लिए नई कानूनी सीमा अधिकतम चार बंदूकें होगी।

सऊदी अरब ने आसिम मुनीर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा

कई अहम मुद्दों पर हुई बातचीत

इस्लामाबाद/रियाद । पाकिस्तान के आर्मी चीफ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर को सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा के दौरान देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुलअजीज मेडल ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा गया है। सऊदी नेतृत्व ने इसे पाकिस्तान-सऊदी अरब के मजबूत और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बताया। पाकिस्तान के आर्मी चीफ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान सऊदी अरब ने मुनीर को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुलअजीज मेडल ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया है। मुनीर को यह सम्मान सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने रियाद में दिया है। इसको लेकर सेना ने सोमवार को कहा, 'सऊदी अरब के किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद ने एक शाही फरमान जारी कर फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को किंग अब्दुलअजीज मेडल ऑफ एक्सीलेंट क्लास से सम्मानित किया है, जो सऊदी अरब का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है।'

इस दौरान सऊदी नेतृत्व ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की व्यावसायिकता और रणनीतिक दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे भाईचारे के संबंधों को मजबूत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। इस सम्मान के जरिए सऊदी अरब ने पाकिस्तान के साथ अपने मजबूत संबंधों को और भी मजबूत बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित। कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।